दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 25
मुरादाबाद
16 May 2025
(Friday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सुप्रीम कोर्ट की ओर से समयसीमा तय किए जाने पर राष्ट्रपति ने उठाए सवाल, कहा- संविधान में ऐसा प्रावधान नहीं

तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा विधेयक पर फैसला लेने की समयसीमा तय किए जाने पर काफी कुछ कहा गया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर आपत्ति जताई थी। अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सवाल उठाए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 8 अप्रैल 2025 को दिए गए सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सवाल उठाए हैं।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में आदेश दिया था कि राज्यपालों और राष्ट्रपति को एक तय समय में उनके समक्ष पेश विधेयकों पर फैसला लेना होगा।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर काफी हंगामा हुआ। अब राष्ट्रपति ने इस पर आपत्ति जताई है और कहा कि देश के संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, तो सुप्रीम कोर्ट किस आधार पर यह फैसला दे सकता है।सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में की थीं अहम टिप्पणियां राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल और समयसीमा तय करने जैसे विषयों पर स्पष्टीकरण मांगा है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में दिए अपने फैसले में कहा था कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए विधेयक पर राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर फैसला लेना होगा। अगर तय समयसीमा में फैसला नहीं लिया जाता तो राष्ट्रपति को राज्य को इसकी वाजिब वजह बतानी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में ये भी कहा कि राष्ट्रपति किसी विधेयक को पुनर्विचार के लिए राज्य विधानसभा के पास वापस भेज सकते हैं। अगर विधानसभा उस विधेयक को फिर से पारित करती है तो राष्ट्रपति को उस पर अंतिम फैसला लेना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति के फैसले की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है। अदालत ने कहा कि अगर राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद की सलाह के खिलाफ जाकर फैसला लिया है तो सुप्रीम कोर्ट के पास उस विधेयक को कानूनी रूप से जांचने का अधिकार होगा। राष्ट्रपति मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट से पूछे ये 14 सवाल-1. राज्यपाल के समक्ष अगर कोई विधेयक पेश किया जाता है तो संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत उनके पास क्या विकल्प हैं? 2. क्या राज्यपाल इन विकल्पों पर विचार करते समय मंत्रिपरिषद की सलाह से बंधे हैं?

3. क्या अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल द्वारा लिए गए फैसले की न्यायिक समीक्षा हो सकती है? 4. क्या अनुच्छेद 361 राज्यपाल द्वारा अनुच्छेद 200 के तहत लिए गए फैसलों पर न्यायिक समीक्षा को पूरी तरह से रोक सकता है? 5. क्या अदालतें राज्यपाल द्वारा अनुच्छेद 200 के तहत लिए गए फैसलों की समयसीमा तय कर सकती हैं, जबकि संविधान में ऐसी कोई समयसीमा तय नहीं की गई है? 6. क्या अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति द्वारा लिए गए फैसले की समीक्षा हो सकती है? 7. क्या अदालतें अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति द्वारा फैसला लेने की समयसीमा तय कर सकती हैं? 8. अगर राज्यपाल ने विधेयक को फैसले के लिए सुरक्षित रख लिया है तो क्या अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट को सुप्रीम कोर्ट की सलाह लेनी चाहिए?

9. क्या राज्यपाल और राष्ट्रपति द्वारा क्रमशः अनुच्छेद 200 और 201 के तहत लिए गए फैसलों पर अदालतें लागू होने से पहले सुनवाई कर सकती हैं। 10. क्या सुप्रीम कोर्ट अनुच्छेद 142 के द्वारा राष्ट्रपति और राज्यपाल की संवैधानिक शक्तियों में बदलाव कर सकता है?11. क्या अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल की मंजूरी के बिना राज्य सरकार कानून लागू कर सकती है?12. क्या सुप्रीम कोर्ट की कोई पीठ अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या से जुड़े मामलों को सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की बेंच को भेजने पर फैसला कर सकती है? 13. क्या सुप्रीम कोर्ट ऐसे निर्देश/आदेश दे सकता है जो संविधान या वर्तमान कानूनों मेल न खाता हो?14. क्या अनुच्छेद 131 के तहत संविधान इसकी इजाजत देता है कि केंद्र और राज्य सरकार के बीच विवाद सिर्फ सुप्रीम कोर्ट ही सुलझा सकता है?

संक्षिप्त समाचार

सीएसजेएमयू ने इस्तांबुल विवि के साथ खत्म किया एमओयू, कुलपति बोले- राष्ट्रहित में नहीं है समझौता

विवि के कुलपति व एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के अध्यक्ष प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि तुर्की की ओर से अपनाए गए फैसला भारत के लिए खुले तौर पर शत्रुतापूर्ण है।शैक्षणिक गुणवत्ता जरूरी, लेकिन राष्ट्र सर्वोपरि। राष्ट्र से ऊपर कुछ नहीं। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) ने तुर्किये के इस्तांबुल विश्वविद्यालय के साथ अपना शैक्षणिक एमओयू रद्द कर दिया है। विवि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने इस्तांबुल विश्वविद्यालय के रेक्टर को तत्काल समझौता समाप्त करने का पत्र लिखा है।ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई के दौरान तुर्किये ने पाकिस्तान का सहयोग कर ड्रोन उपलब्ध कराए। जिसकी मदद से भारत पर हमले की नाकाम कोशिश की गई। अपना परचम लहरा सकें, इसके लिए विवि दुनिया के टॉप शिक्षण संस्थानों के साथ समझौता कर रहा है।इस्तांबुल विश्वविद्यालय के साथ किया था समझौता- इससे कानपुर विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा, अनुसंधान आदि की विस्तृत जानकारी मिल सके। इसी क्रम में विश्वविद्यालय ने तुर्की के इस्तांबुल विश्वविद्यालय के साथ समझौता किया था। यह समझौता छात्रों के लिए शैक्षणिक आदान प्रदान के साथ रिसर्च-इनोवेशन में आगे बढ़ने के लिए किया गया था।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर अभद्र टिप्पणीः मायावती बोलीं- भाजपा के मंत्री के खिलाफ कार्रवाई का देश को इंतजार

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि मध्य प्रदेश के भाजपा सरकार के मंत्री की टिप्पणी पर उनके खिलाफ एफआईआर होना उचित निर्णय है। उन्होंने कहा कि इन मंत्री के खिलाफ भाजपा क्या कार्रवाई करती है इसका देश को इंतजार है। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि पहलगाम घटना के बाद पाकिस्तान में आतंकियों के विरुद्ध सेना के आपरेशन सिंदूर की नायिका मुस्लिम महिला कर्नल को लेकर अभद्र टिप्पणी करने वाले मध्य प्रदेश के मंत्री के खिलाफ हाईकोर्ट की सख्ती के बाद देर रात एफआईआर दर्ज होना उचित है, लेकिन भाजपा की ओर से एक्शन की देश को प्रतीक्षा है। बसपा सुप्रीमो ने बृहस्पतिवार को जारी अपने बयान में कहा कि देश में सांप्रदायिक व जातिवादी द्वेष, नफरत, हिंसा व तनाव फैलाने वालों के खिलाफ कोर्ट से पहले, राज्य सरकारों को बिना भेदभाव कार्रवाई करके अपराध नियंत्रण व कानून-व्यवस्था की संवैधानिक जिम्मेदारी निभाना जरूरी है। इसके अभाव में अपेक्षित विकास बाधित होता रहेगा, जो जन व देशहित में सही नहीं है।बता दें कि इसके पहले मायावती ने बुधवार को दिए गए बयान में कहा था कि पहले विदेश सचिव, फिर सेना की अफसर के प्रति असभ्य टिप्पणी, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से बने अच्छे माहौल को नष्ट करने वाली है। सरकार मंत्री पर कड़ी कार्रवाई करे।

अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला- चाल, चरित्र व चेहरा मध्य प्रदेश के साथ ही बलिया व बिहार से हुआ उजागर

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार के मंत्री द्वारा कर्नल सोफिया पर दिये गए बयान पर भाजपा को जमकर घेरा और कहा कि उनका चाल, चरित्र और चेहरा उजागर हो गया है।

यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री व सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव बुधवार को अमेठी पहुंचे। वह जगदीशपुर के पास बनबरिया, चांदगढ़ में सपा नेता जहूर अहमद के घर बेटी की शादी के बाद आशीर्वाद देने पहुंचे थे।

इसके बाद वह सपा के जिला अध्यक्ष राम उदित यादव के घर मुसाफिरखाना में उनके बेटे व बहू को आशीर्वाद देने गए।

मीडिया से मुखातिब हुए सपा अध्यक्ष ने भाजपा को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मुस्कुराते हुए कहा कि चाल, चरित्र व चेहरा न केवल मध्य प्रदेश में बल्कि बलिया व बिहार में उजागर हुआ है।

उन्होंने कर्नल सोफिया के मुद्दे पर भाजपा को जमकर घेरा। वहीं, अन्य कई मुद्दों पर बयान दिया।

इस दौरान बड़ी संख्या में सपा समर्थक मौजूद रहे। वहीं, कई जगहों पर सपा कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया।

बता दें कि मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार के मंत्री विजय शाह ने करनल सोफिया पर अभद्र बयान दिया था

जिसके बाद उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

प्रदेश को मिलेंगे दो नए फोरलेन हाईवे, बहजोई से सैफई और इटावा से झांसी तक होगा निर्माण

प्रदेश में उत्तर-दक्षिण हाईवे कॉरिडोर के तहत 552 किमी की ग्रीनफील्ड परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। सरकार की योजना प्रदेश के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी करने की है।उत्तर प्रदेश में संभल जिले के बहजोई से सैफई और इटावा से झांसी तक नया फोरलेन हाईवे बनेगा। उत्तर-दक्षिण हाईवे कॉरिडोर के तहत कुल 552 किमी लंबी ग्रीनफील्ड परियोजनाएं प्रस्तावित की गई हैं। शीघ्र ही इनकी विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार होगी।योगी सरकार ने प्रदेश के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी की योजना तैयार की है। संभल में बहजोई और सैफई (इटावा) के बीच 156 किमी लंबा ग्रीनफील्ड हाईवे बनाया जाएगा। वहीं इटावा से झांसी के बीच भी 156 किमी लंबा ग्रीनफील्ड हाईवे तैयार होगा। यहां बता दें कि ग्रीनफील्ड हाईवे उस नए मार्ग को कहते हैं, जहां जमीन अधिग्रहीत कर एकदम नई सड़क बनाई जाती है। इसी तरह से पूर्वी उत्तर प्रदेश में गाजीपुर से झारखंड के मेदिनीनगर को जोड़ने के लिए 180 किमी लंबा ग्रीनफील्ड हाईवे प्रस्तावित किया गया है। इसी तरह ऊंचाहार और राजापुर (चित्रकूट) के बीच भी 60 किमी लंबा ग्रीनफील्ड हाईवे का निर्माण होगा। यानी उत्तर प्रदेश में कुल 1989 किमी का उत्तर-दक्षिण हाईवे कॉरिडोर बनेगा। इससे प्रदेश के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में व्यापार को बढ़ावा मिलेगा।54 जिलों में 150 प्रमुख सड़कों का होगा कायाकल्प- प्रदेश के 54 जिलों की 150 प्रमुख सड़कों का कायाकल्प किया जाएगा। इस योजना के तहत कुल 250 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्माण, सुदृढ़ीकरण और चौड़ीकरण का काम किया जाएगा। इसके साथ ही 44 जिलों में 79 करोड़ रुपये से 255 सड़कों की विशेष मरम्मत की जाएगी। इन कामों को राज्य सड़क निधि के तहत मंजूरी दी गई है।

इसके लिए शासन ने जरूरी निर्देश भी जारी कर दिए हैं।अवध के इन जिलों में होगा सड़कों का निर्माण- लखनऊ, अयोध्या, बाराबंकी, रायबरेली, सीतापुर, गोंडा, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, आजमगढ़, बलिया, हरदोई, फतेहपुर, प्रतापगढ़, शाहजहांपुर, गोरखपुर, महराजगंज, कुशीनगर, देवरिया, मिर्जापुर, अलीगढ़, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली, लखीमपुर खीरी, उन्नाव, गाजीपुर, चंदौली, जौनपुर, कानपुर नगर, कानपुर देहात, आगरा, मैनपुरी, संतकबीर नगर, सिद्धार्थनगर, बस्ती, बागपत, बुलंदशहर, मेरठ, हापुड़, बिजनौर, रामपुर, बरेली, हाथरस, फिरोजाबाद, बांदा, महोबा, ललितपुर, फतेहगढ़, इटावा, मुरादाबाद, औरैया, जालौन। यहां होगी मार्गों की विशेष मरम्मत- सुल्तानपुर, अमेठी, सीतापुर, हरदोई, रायबरेली, कानपुर नगर, कानपुर देहात, फर्रुखाबाद, इटावा, चंदौली, कासगंज, मेरठ, बिजनौर, उन्नाव, कन्नौज, बदायूं, लखीमपुर खीरी, फतेहगढ़, ललितपुर, गाजीपुर, जालौन, झांसी, कौशांबी, शाहजहांपुर, गोरखपुर, अलीगढ़, एटा, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बरेली, फतेहपुर, प्रतापगढ़, प्रयागराज, भदोही, सोनभद्र, आगरा, बागपत, गाजियाबाद, बुलंदशहर, रामपुर, बांदा, चित्रकूट, फिरोजाबाद, मुरादाबाद।

संपादकीय Editorial

Trump is not our contractor

Is US President Trump the contractor of India-Pakistan issues? Are these the meanings and implications of America's strategic friendship? Is friendship with America dangerous and enmity fatal? What is Trump's intention of mediation? Actually, all these questions are natural. The opposition is asking the same question on the ceasefire. Of course, Prime Minister Modi has not used the words 'ceasefire' or 'ceasefire' in his speeches, but an agreement has been made between the DGMOs of both the countries not to open fire or take military action. It is obvious that the respective Prime Minister must have given such instructions! At present, the roars of attacks are silent on both sides. This is the ceasefire. Questions are being asked that how did President Trump declare ceasefire before India and Pakistan made an official announcement? And why is Prime Minister Modi not ending the doubts and questions by giving a statement on this? We are also remembering the period of 1971, when on December 16, the then Prime Minister Indira Gandhi suddenly declared ceasefire. The Indo-Pak war was going on and our forces had crushed the Pakistani army. About 93,000 Pakistani soldiers had to surrender. Even then the Indian army could have advanced into Pakistan-occupied Kashmir. India could have taken back the occupied Kashmir under its jurisdiction, but the then Prime Minister stopped the war. Not only this, no concrete solution to Kashmir was found in the Shimla Agreement of 1972. In the present times also, similar questions arise that India could have reached Pakistan-occupied Kashmir and taken back its part, the Pakistani army could have been crushed and destroyed even more, in such a situation what pressure was exerted by America that a ceasefire had to be declared? The Foreign Ministry of the Government of India has also given a whitewashed explanation. Spokesperson Randhir Jaiswal has clarified that during 'Operation Sindoor', American Vice President Vance and Foreign Minister Marco Rubio etc. talked to Prime Minister Modi over the phone, but there was no talk about trade. President Trump is threatening trade on the basis that he got India and Pakistan to agree for ceasefire. If we talk about trade, then trade between India and America is only about Rs. 10 lakh crore. India exports about Rs. 6.50 lakh crore, while imports about Rs. 3.50 lakh crore. Trade between America and Pakistan is about Rs. 61,989 crore. Pakistan imports about Rs. 43,307 crore from America. Pakistan exports a small part. Can any country accept American instructions like ceasefire on this basis alone? Talks for a trade deal between India and America are going on. Both the countries want to take their trade to $500 billion. In view of trade animosity with China, India is the only option for America in South Asia. America cannot upset such a huge market. During his election rallies, Trump had assured the American people that he would stop the Russia-Ukraine war within 24 hours of becoming the President. It has been four months since he became the President. America could not even pressurize Iran. European countries are also upset with America and are busy mobilizing their strength. Not only this, President Trump has said that they will work together for a Kashmir solution. Who gave this contract? India's foreign policy has been that it does not want any third party interference in bilateral matters. The Shimla Agreement also has a provision that mediation by any third country on Kashmir will not be accepted. Whatever the issues are, both the countries will resolve them among themselves. Kashmir is an integral part of India, it is our identity, it is a symbol of our country's integrity and sovereignty, who has given President Trump the contract.

New mantra to deal with terrorism, Pakistan's secrets are being exposed

During the recent military confrontation, India took a new resolution and recognized a new principle and that is that in future any terrorist attack will be taken as a declaration of war against India. In practice, its effect will be that in case of any terrorist attack, India will have to take immediate military action against Pakistan. Recently, the strategic conflict between India and Pakistan erased many lines of the past and drew new lines for the future. Unlike the previous governments, the Modi government completely changed India's attitude towards dealing with Pakistan. During this time, cross-border action was also not avoided to destroy terrorist hideouts. Attacks were carried out from the Line of Control i.e. LoC to the international border and even inside Pakistani Punjab. India's retaliatory action in the form of Operation Sindoor after the Pahalgam terrorist attack was different in many ways. This first military conflict after the Kargil conflict between the two nuclear-armed countries contains many messages. It changed the equations on the strategic scenario. Under Operation Sindoor, the Indian Air Force targeted nine terrorist camps spread across Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir, while Pakistan attacked civilians along the LoC, especially in Poonch. The result of this audacity by Pakistan increased tensions so much that in retaliation, India neutralized the air defense system in major Pakistani cities and targeted its airbases. This sent out the message that in case of any future terrorist attack on Indian soil, our response will not be limited to the LoC but can extend across the international border. If we look at the nature of the recent conflict, the scale at which drones and missiles were used makes it clear that they will play an important role in future conflicts. This will also increase the conflict beyond the traditional geographical area. For nearly 50 years, the two countries have been fighting mainly in Jammu and Kashmir around the LoC, but due to drones-missiles, the conflict can extend to the borders of North West and West India. This can lead to a dramatic change, where a diplomatic slip can lead not only to ceasefire violations but also drone attacks. Due to this, the risk may increase as well as the frequency of conflict. Even after the ceasefire, this is being seen sporadically. In normal circumstances, military capabilities like precision air strikes are not well assessed and this applies to all countries including India. During the recent military conflict, India has successfully demonstrated its strategic capabilities. India carried out precise and effective attacks based on solid intelligence. Whether it was to destroy the air defense system of Lahore or to target about nine military bases in Pakistan, India achieved its goals as expected. Such a strategic advantage over Pakistan will also have an impact on India's foreign policy. This demonstration will further increase the confidence of strategic partners like America, Australia and Japan in India's capabilities. They will be seen increasing their bets on New Delhi. These striking capabilities will also help India increase its deterrent power against China, even if its scope is limited. Pakistan-sponsored terrorism waited for a long time for India's patience, but the Modi government has completely changed the Indian strategy in dealing with Pakistan. After the Uri attack, India decided that every terrorist act by Pakistan will be given a strong response and every retaliation will be bigger than before. This is now the 'new normal' in dealing with Pakistan. The core of this strategy is that the Pakistan Army, which nurtures terror and terrorists, will also have to pay a heavy price. However, the recent clashes and the retaliation by the Pakistani Army also indicate that this strategy is relatively risky. From the point of view of the regional security scenario, this is a risky development. India's resolve to retaliate and Pakistan's readiness to respond to it, it seems that in future, the loss of life and property due to such conflicts will increase further. The good thing is that in the recent conflict, there was no major human loss in the country due to India's capable air defense system neutralizing Pakistani drones and missiles. India also targeted only terrorists and later military bases in Pakistan. This situation may not be seen in the future. Indian action in response to a terrorist attack and Pakistan's reaction to it can take a dangerous form. During the recent military confrontation, India adopted a new principle by taking a new resolve and that is that in future any terrorist attack will be treated as a declaration of war against India. In practice, the effect of this will be that in case of any terrorist attack, India will have to take immediate military action against Pakistan. By making such a policy public, the hands of the government are tied to some extent, but by not making it official, there is some scope for it. It is noteworthy that now Prime Minister Modi has openly declared to follow this policy.

India's pressure on the crumbling Pakistan is continuing, economic and social conditions are very bad

India Pakistan Conflict Now India's long-term goal should be not only to disintegrate the 'terror-ecosystem' of Sindh Punjab and illegally occupied Jammu and Kashmir by Pakistan, but also to raise voice against injustice, atrocities and human rights violations in Balochistan and Khyber-Pakhtunkhwa. This will put more pressure on Pakistan which is crumbling from within. Operation Sindoor is not only a befitting reply to Pakistan on the Pahalgam terrorist attack, but is also a bold demonstration of India's military capability. India accepted to stop strategic ambushes and counter-attacks on its own terms, which includes maintaining the decision on the suspension of the Indus Water Treaty and terming terrorist activities as war. Many people wanted India to do something that would have a permanent solution to the problem, but what did India do? The goal of Operation Sindoor was to identify the terrorists and their bases and destroy them and punish those who shelter them. This goal was achieved to a large extent. Operation Sindoor gave rise to the 'Modi Doctrine', which is now a permanent element of India's anti-terrorism policy. History is a witness that Pakistan does not desist from terrorism against India, but the Modi Doctrine is ready for its military solution. Pakistan will have to understand this, because its political, economic and social condition is in a bad state. Pakistan has Punjab, Sindh, Balochistan, Khyber-Pakhtunkhwa provinces. There is Gilgit-Baltistan, a union territory, and Pakistan-occupied Jammu and Kashmir. At the time of partition, it also included East Pakistan, which became Bangladesh in 1971. There are many divisive factors in Pakistan. Regional, ethnic and linguistic identities have never got proper representation in Pakistani democracy. Punjabis in Pakistan are 42.15 percent, Sindhis 14.1 percent, Pashtuns or Pathan-Pakhtuns 17.42 percent, Baloch 3.57 percent and Muhajirs (Muslims who migrated from India) 7.57 percent. These ethnic identities are confined to different provinces. Punjabi is spoken in Punjab, Muhajirs in Sindh prefer Urdu and are angry with Punjabis, Sindhis and Pathans for making Sindhi the official language. Balochi and Pashto are spoken in Balochistan, Pashtuns speak Pashto in Khyber-Pakhtunkhwa. Due to this, Sindhis, Balochs and Pashtuns vote only for their own people, which is taken advantage of by different parties. Although social diversities are like flowers in a garden, but when they do not get proper place in political power institutions, they become divisive. Pakistan did not learn anything from the partition of 1971. It had to lose East Pakistan due to Bengali linguistic identity. Today the same situation prevails in Balochistan, which has 43.6 percent of Pakistan's land area. It has huge reserves of gold, copper, coal, gas etc., but its political share is negligible. Many Baloch groups have been fighting for decades. 70 percent of the Pakistani budget allocated for Balochistan has to be given to the tribal Baloch chiefs and only 30 percent is available to the provincial government for expenditure. The Balochis are demanding independence. They have invited the United Nations. For the past 75 years, the Pakistani army and government have been oppressing the Balochs. Like the Balochs, the Pashtuns are also angry with Pakistan. In Pakistan, political institutions are dominated by people of one province, one ethnicity and one language, which is another big divisive element. Punjabis are the largest group there. Due to numbers, education and prosperity, they have a monopoly on the army and politics. Punjab has more seats in the Pakistani Parliament (National Assembly) than Sindh, Balochistan, Khyber Pakhtunkhwa etc. This is why Punjab dominates the whole of Pakistan. The role of Balochs and others in policy-making is negligible. According to Article 2 of the Pakistani constitution, Islam is the state religion in Pakistan, but Shia, Sunni, Barelvi, Deobandi, Kharji and dozens of other sects are indicators of divisive demarcations of Muslim society. Ahmadiyas are rejected from Islam. Pakistan tries to put a brake on these divisive factors through Islamic ideology, but Pakistan is not successful in this due to not giving these sections a fair share in power. The third divisive factor in Pakistan is the mutual identity competition and power struggle between constitutional and non-constitutional institutions. I got the opportunity to give a lecture on the reasons for Modi's electoral victory at Lahore University of Management Science, Pakistan. While talking to people there, I realized that there are many Pakistans within Pakistan, one of which is of the people there, about whom the government, army, ISI and media do not care. Due to militarization of governance and administration, the people are not able to express their feelings, so the true picture of the place is not presented in the media. In the last 75 years, so much venom has been spread in the madrassas and schools of Pakistan against India and Hindus that many generations will not be able to recover from it. The mullahs and maulvis there openly talk about Ghazwa-e-Hind and Jihad. Due to this, many terrorist organizations like Al Qaeda, Lashkar, Jaish, Hizbul have turned Pakistan into a factory of terror, which have the open protection of the army and ISI. This was also proved by the presence of army officers in the funeral processions of the terrorists killed in the Indian attack. There was also a declared terrorist in this funeral procession, whom the Pakistani army tried unsuccessfully to call a local maulana. Now India's long-term goal is not only Sindh, Panjshir, but also Pakistan.To disintegrate the terror ecosystem of Pakistan-occupied Jammu and Kashmir, and to raise voice against injustice, atrocities and human rights violations in Balochistan and Khyber-Pakhtunkhwa. Dr. AK Verma. Operation Sindoor is not only a befitting reply to Pakistan on the Pahalgam terror attack, but also a bold demonstration of India's military capability. India accepted to stop strategic ambushes on its own terms, which included maintaining the decision on the suspension of the Indus Water Treaty and terming terrorist activities as war. Many people wanted India to do something that would have a permanent solution to the problem, but what did India do?

धड़ मुरादाबाद में... करीब 350 KM दूर लखनऊ में मिला सिर, स्टेशन पर रोंगटे खड़े करने वाला नजारा

मुरादाबाद में ट्रेन से कटकर एक युवती की मौत हो गई। युवका सिर धड़ से अलग होकर ट्रेन में फंस गया। इंजन में फंसकर सिर लखनऊ पहुंच गया।उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के मझोला थाना इलाके में नई दिल्ली से लखनऊ आ रही एसी एक्सप्रेस (12430) की चपेट में आकर एक युवती की मौत हो गई। युवती का सिर इंजन में फंस गया और उसका धड़ यहीं रह गया। सूचना मिलने पर मझोला थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और धड़ कब्जे में ले लिया। उधर, बुधवार सुबह ट्रेन लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो इंजन में फंसे सिर को जीआरपी ने निकाल लिया और जांच शुरू की।पुलिस के मुताबिक, मझोला थाना क्षेत्र स्थित कांशीराम नगर निवासी अंशु (28) मानसिक रूप से कमजोर थी। उसके पिता महीपाल सिंह ई-रिक्शा चालक हैं। पांच साल से आशु का उपचार चल रहा था। मंगलवार देर रात वह अपने घर से निकल गई। मझोला क्षेत्र के सिरकोई भूड़ के पास आशु की ट्रेन की चपेट में आकर मौत हो गई। युवती का सिर इंजन में फंस गया। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंच गई और आसपास के लोग भी आ गए। हाथ पर बने टैटू से परिवार के लोगों ने उसकी पहचान की। इसके बाद पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।ट्रेन सिर को लेकर लगभग 325 किलोमीटर दूर लखनऊ पहुंच गई। लखनऊ की जीआरपी ने मुरादाबाद पुलिस से संपर्क किया। जांच में सामने आया कि जिस युवती की मझोला क्षेत्र में ट्रेन से कटकर मौत हो गई, यह उसी का सिर है। मझोला थाना प्रभारी आरपी शर्मा ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। लखनऊ में सिर की पुष्टि होते ही टीम को रवाना किया गया।हसनपुर के दो युवकों की बिजनौर में सड़क हादसे में मौत- बिजनौर जनपद में हुए सड़क हादसे में हसनपुर के नमन वाल्मीकि (20) व संदीप वाल्मीकि (28) की मौत हो गई। दोनों मसूरी से घर लौट रहे थे। हसनपुर क्षेत्र के गांव पिपलोती खुर्द निवासी नमन वाल्मीकि व पतेई खादर निवासी संदीप वाल्मीकि मसूरी में मजदूरी करने गए थे। दोनों मसूरी से मजदूरी कर बाइक से बुधवार को घर लौट रहे थे। बिजनौर के नहटौर क्षेत्र में वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों को अस्पताल में ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

मौसम की मार... एक बेड पर दो का उपचार, जिला अस्पताल में अचानक बढ़ी मरीजों की संख्या

मुरादाबाद में बढ़ती गर्मी के कारण डायरिया, वायरल और टाइफाइड के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। जिला अस्पताल की ओपीडी में रोजाना 1500 से अधिक मरीज पहुंच रहे हैं, जिनमें से 400 से ज्यादा मेडिसिन विभाग में हैं। बेड की कमी के कारण एक बेड पर दो मरीजों को भर्ती किया जा रहा है।मुरादाबाद में गर्मी बढ़ते ही लोगों की सेहत भी बिगड़ने लगी है। बच्चों को डायरिया व बड़ों को वायरल और टाइफाइड परेशान कर रहा है। जिला अस्पताल की ओपीडी व आईपीडी में मरीज बढ़ गए हैं। सिर्फ मेडिसिन विभाग की ओपीडी में 400 से अधिक मरीज पहुंच रहे हैं। भर्ती मरीजों को बेड नहीं मिल पा रहे हैं। बुधवार को एक बेड पर दो-दो मरीज भर्ती करने पड़े। अस्पताल में 16 बेड बढ़ाने के बाद भी स्थिति में सुधार नहीं हुआ। अस्पताल में 256 बेड हैं और सभी पर मरीज भर्ती हैं। बच्चा वार्ड में मासूमों को ड्रिप चढ़ानी पड़ रही है। बुधवार को जिला अस्पताल की ओपीडी में 1500 मरीज पहुंचे।इनमें से 411 मरीज मेडिसिन विभाग की ओपीडी में पहुंचे। अगले माह से समस्या और बढ़ सकती है, क्योंकि वरिष्ठ फिजीशियन डॉ. एनके मिश्रा 65 साल की आयु पूरी होने के बाद सेवाएं नहीं दे सकेंगे। इसके बाद इकलौते फिजीशियन डॉ. आशीष सिंह को यह जिम्मेदारी संभालनी होगी। दूसरी ओर जिला अस्पताल में पिछले तीन दिन से पैथोलॉजी में जांचें नहीं हो रही हैं। बुधवार को कुछ मरीजों की सीमित जांच की गईं। ऐसे में मरीजों को दोगुनी परेशानी झेलनी पड़ रही है। पैरासिटामोल, एजीथ्रोमाइसिन, सिफ्रोफ्लोक्सेसिन, ऑफलॉक्स व आईवी फ्लूड की खपत बढ़ गई है। आईपीएचएल शुरू, अब देर रात तक जांच की सुविधा अस्पताल में इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लेबोरेटरी (आईपीएचएल) शुरू हो गई है। इसे अस्पताल के प्रवेश द्वार के पास तीन मंजिला इमारत में शुरू किया गया है। तीन दिन से मशीनों व अन्य उपकरणों की शिफ्टिंग के कारण मरीजों की पैथोलॉजी जांच नहीं हो पा रही है। हालांकि, जल्द ही सुविधाओं में बढ़ोतरी होने वाली है। जिला अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि एनएचएम से चार लैब टेक्नीशियन मांगे गए हैं। इनकी तैनाती होते ही अस्पताल में देर रात तक सैंपल कलेक्शन व जांच की सुविधा मिलेगी। वर्तमान में ओपीडी वाले मरीजों के सैंपल दोपहर 2-30 बजे तक लिए जाते हैं। एक सप्ताह में इस तरह बढ़ी मरीजों की संख्या तारीख मरीज 6 मई 1472 8 मई 1162 9 मई 1309 10 मई 1115 12 मई 1309 13 मई 1280 14 मई 1500 कल प्रभारी करेंगे अस्पताल का निरीक्षण ले के प्रभारी मंत्री अनिल कुमार शुक्रवार को जिला अस्पताल का निरीक्षण करेंगे। मंत्री दोपहर 12 से एक बजे तक अस्पताल का मुआयना करेंगे। इस दौरान डीएनबी कोर्स में अध्ययनरत डॉक्टरों के लिए व्यवस्थाएं, बच्चों की हाई डिपेंडेंसी यूनिट, आईपीएचएल, बर्न वार्ड आदि की व्यवस्थाएं देखेंगे। इसके लिए जिला अस्पताल की एसआईसी डॉ. संगीता गुप्ता ने सभी तैयारियां करा ली हैं। उन्होंने कहा कि स्टाफ व डॉक्टरों को प्रभारी मंत्री के कार्यक्रम के विषय में बता दिया गया है। एसआईसी डॉ. संगीता गुप्ता ने बताया कि सर्वाधिक मरीज मेडिसिन विभाग के होने के कारण अस्पताल में बुखार वार्ड अलग से बनाया गया है। किसी मरीज को वापस नहीं भेजा जा रहा है।

डिलारी में बदमाशों का धावा, परिवार को बंधक बनाकर लूटा, पुलिस ने चोरी में दर्ज की रिपोर्ट

डिलारी थाना क्षेत्र के महमूदपुर लाल गांव में नकाबपोश बदमाशों ने इकरार हुसैन के घर में घुसकर परिवार को बंधक बना लिया। विरोध पर इकरार को तमंचे की बट से घायल कर दिया। बदमाश करीब पांच लाख रुपये के जेवर व नकदी लूटकर फरार हो गए।डिलारी थाना क्षेत्र के महमूदपुर लाल गांव में मंगलवार देर रात नकाबपोश बदमाशों ने एक घर पर धावा बोल दिया। परिजनों को तमंचे के बल पर बंधक बना लिया। विरोध करने पर गृह स्वामी को तमंचे की बट से हमला कर घायल कर दिया।इसके बाद बदमाश घर से तीस हजार रुपये की नकदी और सोने-चांदी के जेवर समेत करीब पांच लाख का सामान बटोर कर ले गए। पुलिस ने घटना की चोरी में रिपोर्ट दर्ज की है। डिलारी के थाना क्षेत्र के महमूदपुर लाल निवासी इकरार हुसैन का घर गांव के बाहर है।घर की बाउंड्री के स्थान पर लकड़ी की बाड़ लगी है। मंगलवार रात हथियारबंद नकाबपोश बदमाश लकड़ी की बाड़ को हटाकर घर में घुस आए। इकरार सहित पूरे परिवार को गन प्वाइंट पर लेकर सोने-चांदी के जेवरात सहित घर में रखी 30 हजार की नकदी लूट ली। विरोध करने पर एक बदमाश ने तमंचे की बट से हमला कर इकरार को घायल कर दिया। बदमाशों ने पूरे परिवार को कमरे में बंद कर शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी दी और भाग गए। बदमाशों के जाने के बाद इकरार ने डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच पड़ताल की। इसके बाद पुलिस ने इस मामले में पीड़ित से तहरीर ली, जिसमें चोरी की घटना का जिक्र किया गया। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह का कहना है कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है। पुलिस टीम चोरों की तलाश में जुटी है। प्लॉ के विवाद में किया जान लेवा हमला, आठ महिला समेत 12 पर केस मझोला थाना क्षेत्र में प्लॉट के विवाद में एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर लाठी डंडे से हमला कर दिया। जिसमें तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने इस मामले में आठ महिला समेत 12 लोगों पर केस दर्ज किया है। गलशहीद थाना क्षेत्र के असालतपुरा निवासी मो.याहिया ने मझोला थाने में केस दर्ज कराया है। जिसमें उन्होंने बताया कि उनके बेटे फैजान ने तीन साल पहले मझोला के गागन वाली मैनाठेर में एक प्लॉट खरीदा था। उन्होंने बताया कि वह रविवार की सुबह करीब दस बजे अपने बेटे जकरया, अपने चालक इमरान और डॉ. अशद, मो. नसीम के साथ प्लॉट पर गए थे। प्लॉट में पानी भरा था। वह उसकी सफाई कराने लगे। इसी दौरान वहां गागन वाली मैनाठेर निवासी मो. अली पक्ष के लोग लाठी-डंडा और तमंचा लेकर वहां आ गए। उन्होंने मारपीट शुरू कर दी। आरोपी मो. अली और रेहान ने याहिया और उनके बेटे जकरया के ऊपर तमंचे से फायरिंग कर दी। अन्य लोगों ने लाठी डंडे से हमला कर दिया। जिसमें याहिया,उनका चालक और बेटा घायल हो गया। इसके बाद हमलावर भाग गए। सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी मो. अली, मो. रफी, रुखसाना, शबनम, गुलिस्ता, रेहान, जुनैद, हदीसा समेत 12 पर केस दर्ज किया गया है।

युवती ने एसडीओ से मांगी 25 लाख की रंगदारी, दुष्कर्म केस में फंसाने की धमकी, अफसर ने निगला जहर

मुरादाबाद में बिजली विभाग के एसडीओ को दुष्कर्म के झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर 25 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। एसडीओ के भाई की तहरीर पर पुलिस ने युवती समेत अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोप है कि युवती ने पहले एसडीओ से जान-पहचान बढ़ाई और फिर ब्लैकमेल कर रकम मांगी।बिजली विभाग के एसडीओ को दुष्कर्म के केस में फंसाने की धमकी देकर एक युवती और उसके परिजनों ने 25 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। एसडीओ के भाई की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवती, उसके भाई, मामा और एक अन्य एक रिश्तेदार के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।बिजनौर के स्योहारा थाना क्षेत्र के इकबाल नगर पटवारियान निवासी मो. अफजल ने मझोला थाने में कुंदरकी के चकफाजलपुर निवासी तबिंदा उर्फ गोशिया, उसके भाई अल्तमश, मामा व एक अन्य रिश्तेदार के खिलाफ केस दर्ज कराया है। मो. अफजल ने पुलिस को बताया कि उनके दिव्यांग भाई शावेज अल्वी बिजली निगम में एसडीओ हैं।उनकी तैनाती मुरादाबाद में है और वह दिल्ली रोड स्थित हाईडिल कॉलोनी में सरकारी आवास में रहते हैं। 11 फरवरी 2025 को शावेज के फोन पर एक लड़की ने कॉल की और कहा कि गलती से आपका नंबर लग गया। इसके बाद उसने बातचीत शुरू कर दी और अपना नाम तबिंदा उर्फ गोशिया बताया। आरोप है कि इसके बाद वह लगातार बातचीत करने लगी और एक दिन बुध बाजार में हिंदू कॉलेज के पास बुला लिया। यहां आरोपी युवती ने एसडीओ का व्हाट्सएप नंबर ले लिया। फिर युवती ने एसडीओ को ब्लैकमेल करते हुए 25 लाख रुपये की मांग शुरू कर दी। रकम न देने पर झूठे केस में फंसाने, फोटो एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल करने और बदनाम करने की धमकी दी। आरोप है कि 30 मार्च को आरोपी युवती, अपने भाई, मामा और एक अन्य रिश्तेदार के साथ शावेज के आवास पर पहुंच गई और 25 लाख रुपये मांगे। रकम न देने पर आरोपी दुष्कर्म के केस में फंसाने की धमकी देकर चले गए। इसकी जानकारी मिलने पर एसडीओ के परिजन मुरादाबाद पहुंच गए और वह युवती के घर चकफाजलपुर गए। वहां लोगों की मौजूदगी में बातचीत हुई। आरोप है कि इस दौरान भी युवती व उसके परिजनों ने रंगदारी मांगी। पीड़ित एसडीओ और उनके परिवार के लोगों ने बिजली निगम के अधिकारियों को भी मामले की जानकारी दी। सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता का कहना है कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है। विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। ब्लैकमेलिंग से तंग आकर एसडीओ ने खा लिया जहर मो. अफजल ने बताया कि आरोपियों की धमकी से परेशान होकर उनके भाई शावेज ने अपने घर से दो लाख रुपये मंगवाकर आरोपियों को दिए थे। इसके बाद भी आरोपी लगातार ब्लैकमेल करते रहे। इससे परेशान होकर 10 मई को शावेज ने जहर खाकर आत्महत्या का

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद में एसडीओ से वसूली की कोशिश, युवती ने दी झूठे मुकदमे की धमकी

मुरादाबाद- बिजली विभाग के एसडीओ को दुष्कर्म केस में फंसाने की धमकी देकर एक युवती और उसके परिवार ने 25 लाख रुपये की रंगदारी मांगी है। एसडीओ के भाई की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवती, उसके भाई, मामा और एक अन्य रिश्तेदार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। जनपद के बिजनौर के स्योहारा थाना क्षेत्र के इकबाल नगर पटवारियान निवासी मोहम्मद अफजल ने मझोला थाने में कुंदरकी के चकफाजलपुर निवासी तबिंदा उर्फ गोशिया, उसके भाई अल्तमश, मामा, एक रिश्तेदार के खिलाफ केस दर्ज कराया है। जिसमें मो. अफजल ने बताया कि उनके दिव्यांग भाई शावेज अल्वी बिजली निगम में एसडीओ हैं। वह दिल्ली रोड स्थित हाईडिल कॉलोनी में सरकारी आवास में रहते हैं। उनका कहना है कि फोन के जरिए उनके भाई की जान पहचान तबिंदा उर्फ गोशिया से हो गई थी। इसके बाद दोनों के बीच शादी की बातचीत हुई थी। आरोप है कि 30 मार्च को आरोपी युवती, अपने भाई, मामा और एक अन्य रिश्तेदार के साथ शावेज के आवास पर पहुंच गई और 25 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। रकम न देने पर आरोपी दुष्कर्म के केस में फंसाने की धमकी देकर चले गए। इसकी जानकारी मिलने पर एसडीओ के परिजन मुरादाबाद पहुंच गए और वह युवती के घर चकफाजलपुर गए। वहां लोगों की मौजूदगी में बातचीत हुई। आरोप है कि इस दौरान भी उनसे रंगदारी मांगी गई। पीड़ित एसडीओ और उनके परिवार के लोगों ने बिजली निगम के अधिकारियों को भी मामले की जानकारी दी। सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच कराई जा रही है। विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएगा, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा नेता गुलफाम के हत्यारोपी के अवैध निर्माण जमींदोज, लापरवाही पर दरोगा सहित दो सिपाही निलंबित

संभल प्रशासन ने भाजपा नेता गुलफाम सिंह की हत्यारोपी के अवैध निर्माण पर जेसीबी चला दी। इन निर्माण की कई दिनों से जांच चल रही थी। उधर, एसपी ने इस केस में लापरवाही बरतने वाले दरोगा और दो सिपाहियों को निलंबित कर दिया है।भाजपा नेता गुलफाम सिंह यादव के हत्यारोपी जुनावई के पूर्व ब्लॉक प्रमुख और उसके पिता द्वारा फर्जी बैनामा कराकर गांव जगन्नाथपुर में कब्जाई गई जमीन पर अवैध निर्माण को बुधवार को प्रशासन ने जमींदोज कर दिया। प्रशासन ने जमीन को कब्जामुक्त कराने के बाद पीड़ित को कब्जा दे दिया।गुन्नौर निवासी अब्दुल मजीद पुत्र मुर्तजा अली ने बताया कि हाईवे किनारे गांव जगन्नाथपुर पर उसकी 0.838 हेक्टेयर पर जुनावई ब्लॉक प्रमुख रवि यादव व उसके पिता महेश यादव ने फर्जी बैनामा कराकर कब्जा कर लिया था। सालों मुकदमा चलने के बाद मुकदमा चलने के बाद कोर्ट ने दोनों व्यक्तियों का बैनामा निरस्त कर दिया।इसके बाद भी ब्लॉक प्रमुख व उसके पिता ने दबंगई के बल पर कब्जा नहीं हटाया। बुधवार को पुलिस-प्रशासन की टीम ने जमीन को कब्जामुक्त कराकर पीड़ित को कब्जा दिलाया। निर्माण ध्वस्त कर तालाब की भूमि से हटवाया कब्जा भाजपा नेता के हत्यारोपी ब्लॉक प्रमुख रवि यादव समेत तीन चार लोगों ने गांव मैढोली के पास एक तालाब की जमीन पर भी कब्जा कर चहारदीवारी कर ली थी। ग्रामीणों ने कई बार शिकायत कर तालाब को कब्जामुक्त कराने की मांग की। जिस पर कुछ दिन पहले पुलिस के साथ कानूनगो जहारी सिंह व हल्का लेखपाल सतवंत ने नापजोख कर तालाब की भूमि चिह्नित कर जमीन को कब्जामुक्त करने के आदेश दिए थे। लेकिन किसी ने कब्जा नहीं हटाया। रवि यादव के खंडहरनुमा कमरे को जेसीबी से ध्वस्त कराकर जमीन को कब्जामुक्त कराया। आरोपियों ने बुर्का पहनकर कोर्ट में किया आत्मसमर्पण, कर्मियों पर गिरी गाज बहुचर्चित भाजपा नेता गुलफाम सिंह यादव की हत्या में वांछित चल रहे एक लाख के इनामी मुख्य आरोपी धर्मवीर उर्फ धम्मा ने मंगलवार को पुलिस को चकमा देकर बदायूं कोर्ट में बुर्का पहनकर आत्मसमर्पण कर दिया। मामले में एसपी ने कोर्ट में आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए तैनात किए गए दरोगा समेत दो सिपाहियों को निलंबित कर दिया है। गांव दबथरा हिमंचल में 10 मार्च को भाजपा नेता गुलफाम सिंह यादव की जहरीला इंजेक्शन पेट में घोंपकर कर हत्या कर दी गई थी। मृतक के बेटे दिव्य प्रकाश यादव ने ब्लॉक प्रमुख रवि यादव, महेश यादव सहित चार नामजद व दो अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

ऑपरेशन नाकाबंदी में दो शातिर चोर गिरफ्तार, लाखों के जेवर बरामद, जेल भेजा

क्यूँ न लिखूँ सच - ब्यूरोचीफ

बरेली। ऑपरेशन नाकाबंदी के तहत बारादरी थाना पुलिस ने दो चोरों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने चोरी की दो बाइकें और 4.72 लाख रुपये के आभूषण और 22 सौ रुपये बरामद किए हैं। आरोपियों की पहचान हजियापुर निवासी सलीम और संजयनगर निवासी हिमांशु भाटिया के रूप में हुई। बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि ऑपरेशन नाकाबंदी के तहत पुलिस माधोबाड़ी क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान आरोपी पुलिस को देखते ही भागने की कोशिश करने लगे तो पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने प्रेमनगर क्षेत्र स्थित इंद्रानगर कॉलोनी में 5 मई की रात चोरी की वारदात कबूली। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर दो जोड़ी टॉप्स, दो चेन, दो अंगूठी, दो जोड़ी पायल, चार बिछुए, 2200 नकद और दो मोटरसाइकिल बरामद कीं। बरामद सामान की कीमत करीब 4.72 लाख रुपये बताई जा रही है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह नशे की लत पूरी करने के लिए चोरी करते हैं। सलीम और हिमांशु पर पहले भी चोरी सहित अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज हैं। पुलिस ने जो बाइकें बरामद की हैं, उनमें से एक पीलीभीत रोड स्थित एक लॉन के बाहर से चोरी की गई थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को बुधवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

बरेली में धूमधाम से मनाया जिस श्री श्री रविशंकर जी का 69वां जन्मोत्सव

क्यूँ न लिखूँ सच - ब्यूरोचीफ

बरेली। बीते दिवस गुरु, मानवता के प्रहरी और आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर जी के 69वें जन्मदिवस के पावन अवसर पर बरेली सहित देश-विदेश में भव्य आध्यात्मिक

आयोजनों की एक सुंदर श्रृंखला देखने को मिली। इस अवसर पर बरेली शहर में आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षित शिक्षकों, साधकों और भक्तों ने आध्यात्मिकता, ध्यान और सेवा के माध्यम से गुरुजी के प्रति अपनी भावनाओं को समर्पित किया। डीडी पुरम सेंटर पर एक विशेष सामूहिक सुदर्शन क्रिया का आयोजन किया गया। जिसमें वे सभी साधक शामिल हुए जिन्होंने पूर्व में आर्ट ऑफ लिविंग के कोर्स पूर्ण किए थे। ध्यान, प्राणायाम और शांति के इन पलों में हर साधक का मन गुरुजी के प्रति कृतज्ञता से भर उठा। वातावरण में शांति, आंतरिक ऊर्जा और दिव्यता की अनुभूति स्पष्ट दिखाई दी।श्री डॉट्स स्कूल, चंद्रकांता ऑडिटोरियम, शिवा हाल, वीडीए कॉलोनी और नॉर्थ सिटी सहित विभिन्न इलाकों में एक के बाद एक सफल कार्यक्रम आयोजित किए गए। सभी आयोजनों में न केवल नियमित साधक बल्कि आम लोग भी बड़ी संख्या में जुड़ते दिखे। आयोजनों में ध्यान, प्रार्थना, भजन, शांति मंत्रों और गुरु भक्ति गीतों की गूंज ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। इस अवसर पर बेंगलुरु आश्रम से श्री श्री रविशंकर जी की बहन भानु दीदी द्वारा ऑनलाइन गुरु पूजा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में देश-विदेश के हजारों साधकों ने वर्चुअल रूप से भाग लिया। बरेली के साधक भी इस गुरु पूजा से ऑनलाइन जुड़े और गुरुचरणों में सामूहिक प्रार्थना के माध्यम से अपना समर्पण अर्पित किया। गुरु पूजा के दौरान विश्व शांति, देश के सैनिकों की सुरक्षा, और भारत की समृद्धि के लिए विशेष मंत्रों और वेदपाठों द्वारा प्रार्थनाएं की गईं। श्री श्री रविशंकर जी के जन्मदिवस का उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं था, बल्कि उनके द्वारा दिए गए हर चेहरे पर मुस्कान के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना रहा। यही कारण रहा कि सभी कार्यक्रमों को पूर्ण अनुशासन, शांति और भक्ति भाव के साथ संपन्न किया गया। ध्यान, प्रार्थना और आत्मचिंतन के माध्यम से साधकों ने न केवल अपने जीवन को ऊर्जा दी बल्कि समाज में सकारात्मकता का संचार भी किया। इस आयोजन में जिन प्रमुख साधकों और आयोजकों ने विशेष भूमिका निभाई, उनमें पार्थ कुनार, स्वेता, रीना, अमित, राजीव, पूजा, गोपाल, ममता, इंदु, जगदीश, पूनम, मोहित, कोमल और आशुतोष आदि प्रमुख रहे। इन सभी ने मिलकर पूरे आयोजन को बेहद व्यवस्थित, गरिमामय और प्रभावशाली रूप दिया।

अधिकारियों की चेतावनी और लगातार पकड़े जाने बाद भी बाज नही आ रहे रिश्वतखोर ,रिश्वतखोर चकबन्दी अधिकारी को किया निलंबित

क्यूँ न लिखूँ सच - ब्यूरोचीफ

बरेली। चकबंदी विभाग में रिश्वतखोरी का मकड़जाल ऐसा फैला है कि एक के बाद एक रिश्वत लेते हुए अधिकारी पकड़े जा रहे हैं। पिछले माह सहायक चकबंदी अधिकारी भूरे सिंह के कहने पर 25 हजार रुपये की घूस लेते हुए चकबंदी लेखपाल महावीर सिंह पकड़ा गया था। इस प्रकरण में चकबंदी आयुक्त ने भ्रष्टाचार केस में नामजद एफआईआर होने के बाद सहायक चकबंदी अधिकारी भूरे सिंह को निलंबित कर दिया है। भूरे सिंह को जिला बंदोबस्त चकबंदी अधिकारी कार्यालय से संबद्ध किया गया है। इधर, बुधवार को रिश्वत लेते गिरफ्तार सहायक चकबंदी अधिकारी महेश सिंह के विरुद्ध कार्रवाई और विभागीय जांच कराने के लिए चकबंदी आयुक्त को रिपोर्ट भेज दी गई है। एंटी करप्शन इंस्पेक्टर बब्बन खां ने सहायक चकबंदी अधिकारी भूरे सिंह और लेखपाल के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम समेत कई धाराओं में कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। फरीदपुर क्षेत्र के गांव गजनेरा निवासी टंडन बाबू ने एंटी करप्शन टीम से शिकायत की थी कि उनकी मां कलावती का निधन हो गया। मां की मौत के बाद गांव गजनेरा में चक संख्या 128 की कृषि भूमि को उनके और उनके भाइयों के नाम वारिसान के रूप में दर्ज कराना था। उन्होंने इसके लिए मुरादाबाद के थाना बिलारी के गांव जसरथपुर निवासी चकबंदी लेखपाल महावीर सिंह से संपर्क किया तो महावीर सिंह ने उससे सहायक चकबंदी अधिकारी भूरे सिंह के नाम पर 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। दो किश्तों में 50 हजार रुपये में सौदा तय हुआ था। पैसे लेते ही ट्रैप टीम ने लेखपाल को सहायक चकबंदी अधिकारी तृतीय कार्यालय गेट के पास से गिरफ्तार किया था। इस प्रकरण में चकबंदी आयुक्त को सहायक चकबंदी अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई चकबंदी आयुक्त को रिपोर्ट भेजी थी। आरोपी लेखपाल को पहले ही निलंबित कर दिया था। जिला बंदोबस्त चकबंदी अधिकारी पवन कुमार सिंह ने बताया है कि घूसखोरी के प्रकरण में सह आरोपी सहायक चकबंदी अधिकारी भूरे सिंह को निलंबित करने के साथ ही जिला मुख्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। उनके खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू हो गई है। वहीं, विगत दिवस 25 हजार की रिश्वत लेते हुए पकड़े गए सहायक चकबंदी अधिकारी महेश सिंह के विरुद्ध भी शासन स्तर से निलंबन की कार्रवाई की गई है। इस मामले में रिपोर्ट चकबंदी आयुक्त को रिपोर्ट भेज दी गई है। घूस लेते पकड़े जा चुके हैं सीओ चकबंदी चकबंदी विभाग में भ्रष्टाचार के कई मामले सामने आ चुके है। 20 अप्रैल, 2023 को सीओ चकबंदी रणधीर सिंह 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़े गए थे। चकबंदी आयुक्त ने इसकी जांच उप संचालक चकबंदी हरदोई से कराई थी। फरीदपुर तहसील के गांव गजनेरा के रोशनलाल की शिकायत पर एंटी करप्शन की टीम ने रिश्वत लेते समय सीओ चकबंदी को कार्यालय से ही गिरफ्तार किया था। फरीदपुर तहसील में ज्यादा रिश्वतखोरी जिले के फरीदपुर, मीरगंज तहसील के दर्जनों गांवों में चकबंदी चल रही है। चकबंदी में चक इधर उधर करने और बेहतर जमीन दिलाने के नाम पर अधिकारी रिश्वत मांग रहे हैं। गांव नगरिया कलां से पहले गजनेरा गांव के दो किसानों से रिश्वत लेने के आरोप में दो साल में सीओ चकबंदी, सहायक चकबंदी अधिकारी और एक लेखपाल पकड़े गए जा चुके हैं, जबकि चकबंदी को लेकर चकबंदी आयुक्त से लेकर जिलाधिकारी, जिला बंदोबस्त चकबंदी अधिकारी लगातार बैठकें कर अधिकारियों को गड़बड़ी न करने की हिदायत दे रहे हैं, लेकिन अधिकारी रिश्वत लेने से बाज नहीं आ रहे हैं।

मिशन कंपाउंड स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच - ब्यूरोचीफ

बरेली - समाजवादी पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार सलीम इकबाल शेरवानी पूर्व कैबिनेट मंत्री भारत सरकार के द्वारा पीडीए जनसंवाद कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक की गई जिसमें सलीम इकबाल शेरवानी ने बरेली जिला एवं महानगर की पीडीए पंचायत की सराहना की, समीक्षा बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शिवचरण कश्यप ने एवं संचालन जिला कोषाध्यक्ष अशोक यादव ने किया। समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री सलीम इकबाल शेरवानी ने कहा की बरेली पीडीए पंचायत में अव्वल रहा है बरेली जिला और महानगर में शत प्रतिशत सेक्टर वाइज पीडीए पंचायत का आयोजन किया गया। उन्होंने अपनी बात को रखतेआज मिशन कंपाउंड स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय बरेली पर,समाजवादी पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार सलीम इकबाल शेरवानी पूर्व कैबिनेट मंत्री भारत सरकार के द्वारा पीडीए जनसंवाद कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक की गई जिसमें सलीम इकबाल शेरवानी ने बरेली जिला एवं महानगर की पीडीए पंचायत की सराहना की, समीक्षा बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शिवचरण कश्यप ने एवं संचालन जिला कोषाध्यक्ष अशोक यादव ने किया। समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री सलीम इकबाल शेरवानी ने कहा की बरेली पीडीए पंचायत में अव्वल रहा है बरेली जिला और महानगर में उन्होंने अपनी बात को रखते हुए कहा कि देश में जिस तरह से संविधान में दी गई ताकतों को खत्म किया जा रहा है,उसी का पीडीए को साथ जोड़ते हुए समाजवादी उत्तर प्रदेश की सबसे बनकर उभरी। इसलिए अखिलेश यादव की पीडीए की विचारधारा संविधान और संविधान में दी गई ताकतों और अधिकारों के लिए साजिशों को बेनकाब कर 2027 में अखिलेश यादव जी के नेतृत्व जिला अध्यक्ष शिवचरन कश्यप ने कहा की देश और प्रदेश की रही है और इस देश के अंदर आतंकवादी घटनाएं बढ़ी हैं,इसलिए है। महानगर अध्यक्ष की शमीम खां सुल्तानी ने समीक्षा बैठक में उनकी सहभागिता उनके द्वारा किए गए कार्यक्रमों के लिए बधाई

शाहजिल इस्लाम,राष्ट्रीय सचिव ठाकुर योगेंद्र सिंह तोमर,पूर्व विधायक महिलापाल सिंह यादव,पूर्व विधायक पंडित आर के शर्मा,विजय पाल सिंह,प्रदेश सचिव शुभलेश यादव,साजिद खान,कदीर अहमद,जिला उपाध्यक्ष रविंद्र सिंह यादव,बृजेंद्र यादव,पंडित दीपक शर्मा,राजेश अग्रवाल,डॉ अनीस बेग,डॉ देवेंद्र यादव,अमित राज सिंह,दिनेश यादव,राजेश मौर्य, बृजेश श्रीवास्तव सविता,विधान सभा अध्यक्ष अनिल गंगवार,नासिर रजा,रमेश यादव,बलराम यादव,हसीब खान, इंजिनियर सतेंद्र यादव,इंद्रपाल यादव,सुरेंद्र सोनकर, इंजी. अनीश अहमद,गौरव सक्सेना,डॉ जीराज यादव, पुरषोत्तम गंगवार,भारती चौहान,स्मिता यादव,ममता सागर,शशि चंद्रा,पलबी सक्सेना,राजेश्वरी यादव,असलम खान, अविनाश मिश्रा,छेदलाल दिवाकर, राम बहादुर लोधी,द्रोण कश्यप, सैय्यद फरहान अली,जितेंद्र मुंडे,राम सेवक प्रजापति,संजीव कश्यप,संदीप मौर्य,सम्राट अनुज मौर्य आदि लोग मौजूद रहे , जिला कोषाध्यक्ष समाजवादी पार्टी बरेली हुए कहा कि देश में जिस तरह से पीडीए के लोगों के खिलाफ साजिश के तहत उनके आरक्षण और संविधान में दी गई ताकतों को खत्म किया जा रहा है,उसी का नतीजा था कि 2024 के लोकसभा चुनाव में अखिलेश यादव नेतृत्व में पीडीए को साथ जोड़ते हुए समाजवादी उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी पार्टी और देश की तीसरे नंबर की बड़ी पार्टी समाजवादी पार्टी बनकर उभरी। इसलिए अखिलेश यादव की पीडीए की विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए जन जन तक पीडीए पंचायत के माध्यम से संविधान और संविधान में दी गई ताकतों और अधिकारों के लिए जनता को जागरूक कर, भारतीय जनता पार्टी की पीडीए के खिलाफ साजिशों को बेनकाब कर 2027 में अखिलेश यादव जी के नेतृत्व में सरकार बनाई जा सके। बैठक को संबोधित करते समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष शिवचरन कश्यप ने कहा की देश और प्रदेश की सरकार दलित,पिछड़ों एवं अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार काम कर रही है और इस देश के अंदर आतंकवादी घटनाएं बढ़ी हैं,इसलिए जनता 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए संकल्पित है। महानगर अध्यक्ष की शमीम खां सुल्तानी ने समीक्षा बैठक में पधारे सभी कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया और पीडीए पंचायत में उनकी सहभागिता उनके द्वारा किए गए कार्यक्रमों के लिए बधाई दी। समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से आबिद रजा पूर्व मंत्री, विधायक शाहजिल इस्लाम,राष्ट्रीय सचिव ठाकुर योगेंद्र सिंह तोमर,पूर्व विधायक महिलापाल सिंह यादव,पूर्व विधायक पंडित आर के शर्मा,विजय पाल सिंह,प्रदेश सचिव शुभलेश यादव,साजिद खान,कदीर अहमद,जिला उपाध्यक्ष रविंद्र सिंह यादव,बृजेंद्र यादव,पंडित दीपक शर्मा,राजेश अग्रवाल,डॉ अनीस बेग,डॉ देवेंद्र यादव,अमित राज सिंह,दिनेश यादव,राजेश मौर्य, बृजेश श्रीवास्तव सविता,विधान सभा अध्यक्ष अनिल गंगवार,नासिर रजा,रमेश यादव,बलराम यादव,हसीब खान, इंजिनियर सतेंद्र यादव,इंद्रपाल यादव,सुरेंद्र सोनकर, इंजी. अनीश अहमद,गौरव सक्सेना,डॉ जीराज यादव, पुरषोत्तम गंगवार,भारती चौहान,स्मिता यादव,ममता सागर,शशि चंद्रा,पलबी सक्सेना,राजेश्वरी यादव,असलम खान, अविनाश मिश्रा,छेदलाल दिवाकर, राम बहादुर लोधी,द्रोण कश्यप, सैय्यद फरहान अली,जितेंद्र मुंडे,राम सेवक प्रजापति,संजीव कश्यप,संदीप मौर्य,सम्राट अनुज मौर्य आदि लोग मौजूद रहे ।।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

जीनियस इंटरनेशनल स्कूल का परीक्षाफल शत-प्रतिशत, विद्यार्थियों को सम्मानित किया

क्यूँ न लिखूँ सच

नवाबगंज। जीनियस इंटरनेशनल स्कूल में सत्र 2024-25 में सीबीएसई बोर्ड द्वारा आयोजित हाईस्कूल, इंटरमीडिएट परीक्षा का रिजल्ट शत् - प्रतिशत रहा है। हाईस्कूल

में शिफा जेहरा ने 88 प्रतिशत हिमांशु गंगवार 87.2 प्रतिशत,नेहा शर्मा 80.8 प्रतिशत, तथा इंटरमीडिएट में भूमिका गंगवार ने 88.2 प्रतिशत अभय गंगवार 81.6 प्रतिशत सौरभ गंगवार ने 75.2 प्रतिशत ने लाकर प्रधानाचार्या एवं परिजनों को सफलता का श्रेय दिया।छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर डारेक्टर अंकुर गंगवार,मौसुमी शर्मा प्रधानाचार्या ने सभी सफल छात्र - छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।इस मौके अंकित गौड़, विमल गंगवार, दुष्यंत गंगवार, आसिफ श्रुति सिंह, तृप्ति,केपी गंगवार,नासिर हुसैन सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा रिक्रूट आरक्षियों के प्रशिक्षण हेतु पुलिस लाइन पीलीभीत में व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर तैयारियों का जाएजा लिया

क्यूँ न लिखूँ सच -सुमित गुप्ता

पुलिस अधीक्षक महोदय अभिषेक यादव द्वारा पुलिस लाइन पीलीभीत में ट्रेनिंग हेतु आने वाले पुरूष/ महिला रिक्रूट आरक्षियों के लिए आवसीय व्यवस्था, मैस, शौचालय व अन्य मूलभूत

सुविधाओं का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जाएजा लिया गया तथा शेष कमियों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। महोदय द्वारा महिला रिक्रूट आरक्षियों के बैरकों में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन पीलीभीत को निर्देशित किया गया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक महोदय विक्रम दहिया, प्रतिसार निरीक्षक व अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे

इज्जतनगर मंडल ने सुरक्षा की दृष्टि से 25 रेलवे फाटकों पर लगाए कैमरे

क्यूँ न लिखूँ सच - ब्यूरोचीफ

बरेली। रेलवे सुरक्षा को आधुनिक और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में इज्जतनगर मंडल तेजी से कदम बढ़ा रहा है। मंडल प्रशासन ने अब तक 25 रेलवे फाटकों पर सीसीटीवी कैमरे लगवा दिए हैं, ताकि फाटकों पर होने वाली गतिविधियों पर निगरानी रखी जा सके। आने वाले समय में सभी फाटक कैमरे से लैस किए जाएंगे। उत्तर पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि कैमरे लगाने का मुख्य उद्देश्य यह है कि मानव रहित फाटकों पर निगरानी रहे और नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। यदि किसी प्रकार की घटना घटती है तो उसके वीडियो फुटेज के माध्यम से जांच में सहायता मिल सके। उन्होंने बताया कि इज्जतनगर मंडल में करीब 400 से अधिक फाटक हैं। रेलवे यार्डों में लगे पुराने कैमरों की भी जांच की गई है और जरूरत पड़ने पर उन्हें अपडेट या रिप्लेस भी किया जा रहा है। आने वाले समय में सभी महत्वपूर्ण फाटकों और यार्डों को हाई-रिजॉल्यूशन कैमरों से जोड़ा जाएगा, जिससे सुरक्षा व्यवस्था में और सुधार किया जा सकेगा।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

कांग्रेस पार्टी ने किया विरोध प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपते हुए मंत्री विजय शाह बर्खास्तगी व जेल भेजने की किया मांग।

क्यूँ न लिखूँ सच

सोरांव। बृहस्पतिवार को कांग्रेस पार्टी गंगापार के जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद के नेतृत्व में सोरांव तहसील परिसर में विरोध प्रदर्शन कर उप जिलाअधिकारी चुनाव को महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें मध्य प्रदेश शासन के 8 बार के विधायक विवादित आदिवासी मंत्री विजय शाह के तत्काल बर्खास्तगी एवं जेल भेजने की मांग की गई। इस दौरान श्री अहमद ने कहा कि यह टिप्पणी सेना के शौर्य और सम्मान पर हमला है। यह वैमनस्य और मुस्लिम पर जाति दुर्भावना को दर्शाता है।यह घोर आपत्तिजनक है,इस पर अवमानना की कार्रवाई होनी चाहिए। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि मंत्री के बोल बेअंदाज है। मंत्री की बर्खास्तगी एवं जेल भेजने की कार्यवाही होनी चाहिए।समस्त नेताओं और वक्ताओं ने अपने विचार रखें और विजय शाह को तत्काल बर्खास्तगी एवं जेल भेजने की मांग की। सभी नेताओं ने कहा कि मंत्री गलती मांगने का स्वांग कर रहा था। इसके चेहरे पर मुस्कुराहट थी गलती कम मजाक ज्यादा था। इस अवसर पर सर्वश्री शरद उपाध्याय मुन्ना, इश्तियाक अहमद,राकेश पासवान,भोलानाथ तिवारी,भुल्लन पटेल,शदाब अहमद, विनोद तिवारी, छोटे लाल पटेल,राजेश पटेल,गिरधारी लाल गौतम,मो.सददाम, शमसुल कमर,नन्हे, संदीप चौधरी,सुरेश पटेल,मो.शमीम प्रधान,जंग बहादुर पटेल,मो.फारुक,मो.उजैद,राम प्यारे पाल, सुनील पाण्डेय, अंसार अली सोनू,गिरधारी लाल गौतम, सुभाष चन्द्र यादव, रमेश यादव,गीता भारतीय,प्रेम कुमार तिवारी,सुनील पाण्डेय,मो.अलीम,संजय भारतीय,राम कुमार यादव, संजय भारतीय,राम कुमार पटेल,आदि लोग उपस्थित रहे।

डीएम ने की बाढ़ नियंत्रण के कार्यों की समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच – लवकुश ठाकुर

जिलाधिकारी अवनीश राय ने बाढ़ नियंत्रण की जनपद स्तरीय तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी तैयारियां 07 जून 2025 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। वहीं बाढ़ खण्ड के अधिकारियों को बाढ़ नियंत्रण के संबंध मं निर्माणाधीन कार्यों को प्रत्येक दशा में जून के प्रथम सप्ताह तक पूर्ण करने के लिए कहा। उन्होंने अधिकारियों को गंभीरतापूर्वक तथा पूर्ण सक्रियता से कार्य करने के लिए कहा गुरुवार को शिविर कार्यालय में आहूत बैठक में जिलाधिकारी अवनीश राय ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि 07 जून तक बाढ़ नियंत्रण के सम्बंध में जैसे भूसा, बाढ़ चौकियां, चिकित्सा व दवाई, राशन, टीकाकरण आदि समस्त कार्य प्रत्येक दशा में पूर्ण कर लिए जाएं। अधिशासी अभियंता बाढ़ खण्ड उमेश चंद्र ने बताया कि इस बार मानसून पूर्व में आने की संभावना है। जिलाधिकारी ने बताया कि कलेक्ट्रेट स्थित एकीकृत कमांड कन्ट्रोल रूम 24 घंटे क्रियाशील है, जिसमें मोबाइल नम्बर 7505389289, 7505395940 तथा दूरभाष संख्या 05832–266049, 05832–266050 संचालित हैं। जनपदवासी आवश्यकता पड़ने पर कंट्रोल रूम के नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

बहराइच जनता दर्शन में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सुनी गई जन समस्याएं।

क्यूँ न लिखूँ सच
शैलेन्द्र कुमार पाण्डेय
बहराइच /पुलिस अधीक्षक

महोदय द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों/प्रार्थना पत्रों के सम्बध में सम्बन्धित अधिकारियों/थाना प्रभारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण जाँच कर निस्तारित करने हेतु आदेशित किया गया

व्यक्तिगत विकास पर हुआ व्याख्यान रिठौरा। एमश्जेश्पीश रोहिलखंड विश्वविद्यालय में व्यक्तित्व विकास पर प्रेरणादायी सत्र, श्रद्धा खंडेलवाल रहीं मुख्य वक्ता

क्यूँ न लिखूँ सच

एम.जे.पी रुहेलखंड विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा संकाय में एक प्रेरणादायी एवं ज्ञानवर्धक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें सुप्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर एवं माइंडसेट कोच इंजी.श्रद्धा खंडेलवाल को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने व्यक्तित्व विकास एवं लॉ ऑफ अट्रैक्शन विषय पर प्रभावशाली व्याख्यान प्रस्तुत किया।सत्र में इंजी.श्रद्धा खंडेलवाल ने विद्यार्थियों को बताया कि कैसे वे अपनी आंतरिक क्षमताओं को पहचानकर जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। उन्होंने लॉ ऑफ अट्रैक्शन की अवधारणा को सरल और प्रभावशाली ढंग से समझाते हुए कहा कि जब हम अपने विचारों और भावनाओं को सकारात्मक दिशा में केंद्रित करते हैं, तो हम अपनी आकांक्षाओं को साकार करने की ओर बढ़ते हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि स्वयं की अच्छाईयों को विकसित करना और बुराइयों पर विजय प्राप्त करना ही सच्चे व्यक्तित्व का निर्माण है।सत्र के दौरान एम.एड के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी जिज्ञासाओं को व्यक्त किया। मुख्य वक्ता द्वारा विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर अत्यंत सहजता और संवेदनशीलता के साथ दिए, जिससे विद्यार्थियों को नई दृष्टि और प्रेरणा मिली।इस अवसर पर शिक्षा संकाय के विभागाध्यक्ष प्रो. संतोष अरोड़ा एवं प्रवक्ता डॉ. प्रतिभा सागर ने इंजी.श्रद्धा खंडेलवाल का स्वागत किया तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की गरिमा को आगे बढ़ाते हुए खंडेलवाल कॉलेज के प्राचार्य डॉ.आर.के. सिंह, प्रवक्ता डॉ. शिव स्वरूप शर्मा, डॉ. कल्पना कटियार, डॉ. सविता सक्सेना, डॉ. नृपेन्द्र प्रताप तथा लेश रचना की उपस्थिति भी सराहनीय रही।

नाबालिग से दुष्कर्म के 02 अभियुक्तों को 20–20 वर्ष का कठोर कारावास व प्रत्येक को ?51,000/–के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

क्यूँ न लिखूँ सच

ऑपरेशन कन्विक्शनक्ष के तहत चिन्हित अभियोगों में दोषी अभियुक्तों के विरुद्ध अधिकतम/त्वरित दण्डात्मक कार्यवाही हेतु चलाया जा रहा विशेष अभियान । * माननीय न्यायालय पीठासीन अधिकारी श्री दीप कान्त मणि (स्छ्ब/स्का/क्स्ष्टस्ह,ष्ट्ज्ञ) जनपद बहराइच द्वारा घटना कारित करने वाले अभियुक्त को दण्डित किया गया । घटना का संक्षिप्त विवरण– वादिनी मुकदमा/ पीड़िता द्वारा थाना स्थानीय पर सूचना दी गयी कि दिनांक 25.08.2016 को रात करीब 12.30 बजे पीड़िता उम्र करीब 16 वर्ष जन्माष्टमी का प्रसाद लेने अपने गांव के मंदिर पर अपनी छोटी बहन के घर से जा रही थी कि गांव के आजाम पुत्र मुन्ना, अख्तर पुत्र तिजारत खड़े थे । आजाद व अख्तर दोनों पीड़िता को घर के अन्दर पकड़ ले गये व आजाद ने बाहर निकलकर दरवाजा बन्द कर लिया और अख्तर ने पीड़िता से गलत काम किया । जिसके सम्बन्ध में वादिनी मुकदमा/ पीड़िता की लिखित तहरीरी सूचना के आधार पर थाना रिसिया में दिनांक 04.09.2016 को मु0अ0सं0 765/2016 धारा–376, 354, 342, 120बी भा0दं0सं0 बनाम आजाद, अख्तर अली के विरुद्ध पंजीकृत किया गया । जिसकी विवेचना निरीक्षक श्री ओम प्रकाश सिंह द्वारा सम्पादित कर साक्ष्य संकलन, गवाहों की गवाही व विवेचनात्मक कार्यवाही के उपरान्त अभियुक्तगण 1.आजाद पुत्र मुन्ना, 2.अख्तर अली पुत्र तिजारत निवासीगण बभनी सैदा, थाना रिसिया, जनपद बहराइच के विरुद्ध आरोप–पत्र दिनांक 21.11.2016 को अन्तर्गत धारा– 376(ष्ठ), 342 भा0द0सं0 व धारा–5/6 पॉक्सो एक्ट प्रेषित कर माननीय न्यायालय के समक्ष दिनांक 21.01.2017 को विरचित किया गया। दोषसिद्धि का विवरण– श्रीमान् पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 लखनऊ के आदेश के क्रम एवं पुलिस अधीक्षक बहराइच महोदय के निर्देशन में क्षऑपरेशन कन्विक्शन%% के अन्तर्गत चिन्हित अपराधों में दोषी अभियुक्तों के विरुद्ध माननीय न्यायालय द्वारा अधिकतम/त्वरित दण्डात्मक कार्यवाही हेतु जनपदीय पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके क्रम मे उक्त अभियोग मे माननीय न्यायालय/पीठासीन अधिकारी श्री दीप कान्त मणि (स्छ्ब/स्का/क्स्ष्टस्ह,ष्ट्ज्ञ) द्वारा प्रभारी थाना रिसिया, मॉनीटरिंग सेल पुलिस कार्यालय बहराइच, सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता श्री सन्त प्रताप सिंह, श्री सन्तोष सिंह व श्री सुरेन्द्र मौर्या तथा कोर्ट मोहर्रिर म0आ0 सुषमा गौतम व थाना पैरोकार का0 श्रवण कुमार मौर्या की प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप दिनांक– 15.05.2025 को दोषी अभियुक्तगण 1.आजाद पुत्र मुन्ना, 2.अख्तर अली पुत्र तिजारत निवासीगण बभनी सैदा, थाना रिसिया, जनपद बहराइच को 20–20 वर्ष का कठोर कारावास व ?51,000/– के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया, अर्थदण्ड न अदा करने की स्थिति में 05–05 माह के अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी ।

बैंक खाताधारकों से साइबर ठगी करने वाले 01 साइबर ठग को साइबर ठगी में प्रयुक्त कूटरचित दस्तावेजों के साथ गिरफ्तार किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच

बहराइच / आज दिनांक 14.05.2025 को पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक, अपराध श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी एवं क्षेत्राधिकारी अपराध श्री पहुप सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक श्री पंकज कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में जनपद में हो रहे साइबर अपराध पर अंकुश लगाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत साइबर क्राइम में वांछितों व साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी एवं विवेचनाओं के निस्तारण हेतु अभियान के दौरान वांछित अभियुक्त / साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी के क्रम में साइबर क्राइम पुलिस थाना, बहराइच पर गठित टीम के द्वारा मु0अ0सं0 15/2025 धारा 318(4), 338,336(3),340(2) बीएनएस व 66 सी आईटी एक्ट थाना साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन, बहराइच में प्रकाश में आये अभियुक्त की गिरफ्तारी एवं बरामदगी में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई। गिरफ्तार अभियुक्तः– – अमीनुद्दीन पुत्र नवाब खान पता– महरी, मौजा बौकहा पो0 नेवादा, थाना रामगांव जनपद बहराइच। उम्र 46 वर्ष

अपराध का तरीकाः– – उपरोक्त साइबर अपराधी स्वयं और इसके लड़के के द्वारा भोले–भाले व्यक्तियों को लोन का लालच देकर उनके बैंकों में बचत व चालू खाते फर्म के नाम खुलवाकर उनके खातों का चेकबुक एवं खाते में रजिस्ट्रर्ड मोबाइल नम्बर लेकर इण्टरनेट बैंकिंग के माध्यम से साइबर फ्राड करके अवैध रूप से बड़ी मात्रा में धनराशि अपने द्वारा खुलवाये खातों में तथा स्वयं के खातों में धनराषि प्राप्त कर इण्टरनेट बैंकिंग के द्वारा निकाल कर अर्थिक लाभ लेना।

भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता ठाकुर राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में किसानों ने धनीपुर को शहरी विद्युतीकरण से जोड़ने के लिए नायब तहसीलदार को एक मांग पत्र सोपा

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा शक्ति केंद्र प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में धनीपुर की शहरी विद्युतीकरण करने के लिए जोरदार प्रदर्शन किया सैकड़ो की तादात में धनीपुर के आसपास के किसान उपस्थित रहे भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता ठाकुर राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व मे नायब तहसीलदार जल ली धनीपुर और जिलाधिकारी के नाम एक मांग पत्र दिया मांग पत्र में धनीपुर को शहरी विद्युतीकरण से जोड़ने की मांग की गई

जिससे जनता को शहरी लाइट का पूरा फायदा मिल सके धनीपुर नगर निगम की सीमा में शामिल है पार्षद का चुनाव हुआ है सारी सुविधाएं नगर निगम से मिलनी चाहिए और शहर की बिजली भी नगर निगम की सीमा की मिलनी चाहिए इस संबंध मेंनायब तहसीलदार वीरेंद्र कुमार को अति शीघ्र कार्रवाई के लिए जिलाधिकारी के नाम एक मांग पत्र दिया है मांग पत्र में अति शीघ्र धनीपुर बिजली घर से धनीपुर को शहरी विद्युतीकरण से जोड़ा जाए आश्वासन मिला है इसमें जल्दी कार्रवाई की जाएगी किसानों ने जोरदार प्रदर्शन किया इस दौरान मौजूद रमन सिंह जादौन ठाकुर ओम प्रकाश सिंह जादौन संतोष कुमार कश्यप दिनेश कुमार कश्यप बाबा डालचंद बघेल सुमित कुमार सिंह डॉक्टर शिवनंदन सिंह डॉक्टर पिंटू सिंह मोनू कुमार शर्मा आदि मौजूद रहे

संक्षिप्त समाचार

शादी में तमंचा से फायर करने से मना करने पर युवक को किया गया लहुलुहान

क्यूँ न लिखूँ सच

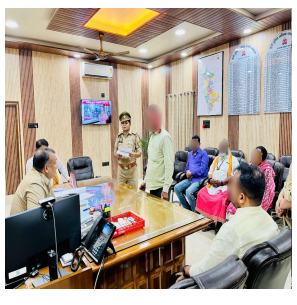

सोरांव। सोरांव थाना क्षेत्र के ग्राम पडिला निवासी आशीष कुमार मौर्या पुत्र राजेश कुमार ग्राम वजीराबाद शादी में गया था। आरोप है कि सोरांव के ददौली में एक गेस्ट हाउस में कतिपय लोग तमंचा से फायर करने लगे मना करने पर उसे और उसके भाई अभिषेक,प्रिंस को मारपीट कर लहुलुहान कर दिया।तथा जान से मारने की धमकी दिए। आशीष कुमार मौर्या का आरोप है कि वह वजीराबाद अपनी दुकान पर गुरुवार को बैठा था कि विपक्षी दुकान पर चढ़ कर मारे पीटे और जान से मारने की धमकी दिए। भुक्तभोगी आशीष कुमार मौर्या ने सोरांव थाने में कतिपय दबंगों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा जख्मी आशीष कुमार मौर्या,उसके भाई अभिषेक,प्रिंस का उपचार कराया जा रहा है।

छात्रा के साथ अश्लील हरकत करने के मामले में तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज ,एक आरोपी गिरफ्तार भेजा गया चालान

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा (प्रयागराज) मऊआइमा थाना क्षेत्र के एक गांव की बीए तृतीय वर्ष की छात्रा को गांव के ही एक युवक जो कथित रूप से झाड फूंक करता है।आते जाते फब्तियां कसने और छेड़खानी करता था। आरोप है कि युवक अपने दोस्तों के साथ छात्रा का जहां शादी तय हुआ है वहां पहुंच कर लडके को जान से मारने की धमकी दिया। छात्रा का आरोप है कि मंगलवार की रात में उसके साथ युवक अश्लील हरकतें किया।तथा कहा कि तुम मेरी नहीं तो किसी की नहीं हो सकती। छात्रा ऊब कर मऊआइमा थाने में तहरीर दी। पुलिस ने गुरूवार को ग्राम बसरही निवासी युसुफ, अरमान,सफवान के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।तथा मुख्य आरोपी युसुफ को गिरफ्तार कर चालान भेज दिया।

01 परिवार में सुलह कराते हुए परिवार को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच

बहराइच/आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर–समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई–झगड़ा न करने तथा पारिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी–खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर पारिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

प्रदेश के पूर्वमंत्री पं हरिओम उपाध्याय और श्री राम पाल लखनऊ पहुंचे

क्यूँ न लिखूँ सच – नीरज कुमार

कोंच(जालौन) जनपद जालौन के माधोगढ़ क्षेत्र के पूर्व मंत्री और समाज वादी पार्टी के सीनियर नेता पं हरिओम उपाध्याय और पूर्व मंत्री श्री राम पाल प्रदेश की राजधानी स्थित लखनऊ के समाजवादी पार्टी कार्यालय पहुंचे और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मुलाकात की और संगठन को लेकर विस्तार से चर्चा आगामी विधान सभा चुनाव को ध्यान में रखते हुये चर्चा की और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उन्हें निर्देश दिये कि जिले में पार्टी को मजबूत बनाए और गांव गांव गली गली समाज वादी पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाए साथ भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ जनजन को जागरूक करे और पीड़ित शोषित लोगों की आवाज को उठाए और जनता के बीच में रखकर उनके लिऐ तेजी से कार्य करे इस अवसर पर सपा नेता पूर्व मंत्री और पार्टी प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी सहित जिले के कई प्रमुख नेता मौजूद रहे

अभियान भारत शौर्य तिरंगा यात्रा के संबंध में पदाधिकारियों की बैठक बुलाई

क्यूँ न लिखूँ सच-श्याम जी कश्यप

जनपद फरूखाबाद उत्तर प्रदेश- आवास विकास कॉलोनी स्थित भाजपा जिला मुख्यालय पर भाजपा

जिला अध्यक्ष फतेह चंद्र वर्मा ने आगामी एक महत्वपूर्ण अभियान भारत शौर्य तिरंगा यात्रा के संबंध में पदाधिकारियों की बैठक बुलाई। इस बैठक में अभियान के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष फतेहचंद वर्मा ने बताया कि पड़ोसी मुल्क द्वारा प्रायोजित आतंकवाद से कश्मीर के पहलगाम में एक विभक्ति घटना को अंजाम दिया गया जिसमें 26 भारतीयों की निर्मम हत्याएं हुई इस घटना के बाद भारत ने देरी न करते हुए घटना से संबंधित आतंकवादियों एवं आतंक को बना देने वाले पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान को सबक सिखाते हुए ऑपरेशन सिंदूर चलाया जिसमें भारतीय सैन्य अधिकारियों ने अपनी वीरता और शौर्यता का प्रदर्शन करते हुए आतंक एवं आतंकवादियों पर कार्रवाई की। बौखलाए पाकिस्तान ने भारत की कार्यवाही को रोकने का आग्रह किया लेकिन भारत ने प्रायोजित आतंक को समाप्त करने की हिदायत देते हुए दोबारा ऐसा करने का दुस्साहस करने पर ऐसी ही फिर कार्यवाही करने की बात कही है इस पूरे प्रकरण पर भारत की सैन्य क्षमता का एहसास पूरी दुनिया को हुआ भारत की वायु सेना के शौर्य और साहस को नमन करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने निर्णय लिया है कि वह 17 मई को सायंकाल 4ः00 बजे टाउन हॉल से भारत शौर्य तिरंगा यात्रा निकलेगी जिसमें जनपद के विभिन्न सामाजिक संगठनों से आवाहन करेगी कि वह इस यात्रा में शामिल होकर भारतीय सैनिकों के शौर्य और साहस के लिए उनका उत्साहवर्धन करें। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार की राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में रहेगी। इस कार्यक्रम के लिए संयोजकों की नियुक्ति की गई है। कार्यक्रम में किसी भी राजनीतिक दल का झंडा प्रयोग नहीं किया जाएगा केवल भारतीय तिरंगा प्रयोग किया जाएगा। यह यात्रा टाउन हॉल से आरंभ होकर लाल दरवाजा फब्बारे पर समाप्त होगी। इसके उपरांत सभी ब्लॉकों एवं विधानसभा स्तर पर भी यह यात्रा निकालने के लिए तैयारी बैठक होगी। तिरंगा यात्रा के लिए भाजपा महिला मोर्चा व भाजपा युवा मोर्चा के पदाधिकारी को जिम्मेदारियां दी गई है। इस यात्रा में पूर्व सैनिकों से भी शामिल होने का आवाहन किया गया है जिला अध्यक्ष ने बताया रानी अहिल्याबाई होलकर की त्रिशताब्दी जयंती मनाने का निर्णय लिया गया है 21 मई से 31 मई के मध्य 300वीं जयंती मनाई जाएगी। इस जयंती को मनाने के लिए 17 मई को संगठन की बैठक बुलाई गई है जिसमें इस कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इस बैठक के अवसर पर जिला महामंत्री डीएस राठौर, जिला मीडिया प्रभारी शिवांग रस्तोगी जिला मंत्री अभिषेक बाथम जिला मंत्री अमरदीप दीक्षित फतेहगढ़ मंडल अध्यक्ष रमला राठौर विकास पांडे जिला मंत्री धर्मेंद्र राजपूत जिला मंत्री गोपाल राठौर फर्रुखाबाद राकेश भदोरिया पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष राजीव चतुर्वेदी हिना दवे आदि लोग मौजूद रहे।

विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में खराब प्रगति वाले विभागों को डीएम की फटकार

क्यूँ न लिखूँ सच- राकेश गुप्ता

शामली विकास भवन के सभागार में जिलाधिकारी शामली श्री अरविन्द कुमार चौहान की अध्यक्षता में आज सीएम डैश बोर्ड पर आधारित विकास कार्यों एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक

आयोजित की गई।आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने विकास कार्यों एवं राजस्व कार्यों की विभाग वार समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को सीएम डैश बॉर्ड पर दर्शाया गया डाटा के अनुसार लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति के निर्देश दिये साथ ही जिन विभागों की प्रगति खराब मिली उन विभागों को कड़ी फटकार लगाते हुए जहां कमी है उसमें सुधार करते हुए प्रगति के निर्देश दिये।बैठक में जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए परियोजना अधिकारी यूपी नेडा को पीएम सूर्य घर योजना की प्रगति धीमी पाये जाने,दुग्ध विकास विभाग को समिति गठन में,अधिशासी अभियंता आरईडी को भवन निर्माण में,जल निगम को पाइप पेयजल योजना में, पंचायतीराज विभाग आदि को सीएम डैशबोर्ड के बिंदु पर खराब प्रगति होने पर सभी को कारण बताओं नोटिस के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में डीएम ने निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्ट्रेट और विकास भवन के निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पाये जाने पर संबंधित कार्यदाई संस्था उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग शामली को कलेक्ट्रेट और विकास भवन के निर्माण कार्य की गहन जांच कर आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में अधिशासी अभियंता नलकुप द्वारा सही जानकारी न दिए जाने पर उनका भी स्पष्टीकरण मांगे जाने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने अन्य सभी विभागों की भी समीक्षा करते हुए लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने राजस्व कार्यों की समीक्षा करते हुए, जीएम डीआईसी आबकारी, गन्ना, खनन, विभाग, विभाग की संतोष जनक प्रगति न मिलने पर उक्त सभी को नोटिस जारी करते हुए स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने तहसीलों में धारा 24,116 और वादों के निस्तारण में संतोष जनक प्रगति न मिलने पर सभी एसडीएम/तहसीलदारों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न करने वाले अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए समय से क्वालिटी पूर्वक निस्तारण के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि दिए गए निर्देशों के अनुपालन में यदि किसी भी प्रकार की लापरवाही बरती जाती है तो संबंधित के खिलाफ कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।आयोजित बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अनिल कुमार, जिला विकास अधिकारी सत्य राम यादव,पीड़ी डीआरडीए प्रेम चन्द,जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी डॉ हरेंद्र सहित सभी संबंधित विभाग के अधिकारी व राजस्व विभाग की बैठक में सभी एसडीएम सहित समस्त संबंधित विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

मोबाइल व्यापारी को चार दिन बाद मिली दूसरी रंगदारी की चिट्ठी, परिवार में दहशत का माहौल

क्यूँ न लिखूँ सच- राकेश गुप्ता

शामली।उत्तर प्रदेश के शामली में फिर से रंगदारी की चिट्ठियों का सिलसिला शुरू हो गया है। सदर कोतवाली क्षेत्र के फव्वारा चौक के पास मोबाइल की दुकान चलाने वाले व्यापारी सुमित को चार दिन के अंदर दूसरी बार रंगदारी की चिट्ठी मिली है। इस घटना से उनका पूरा परिवार दहशत में है, वहीं पुलिस अभी तक अपराधियों तक नहीं पहुंच पाई है। गुरुवार सुबह सुमित अपनी दुकान पर पहुंचे और शटर उठाया तो उनके होश उड़ गए। दुकान के अंदर एक और रंगदारी की चिट्ठी पड़ी थी। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सदर कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर चिट्ठी को कब्जे में लिया। यह दूसरी घटना है, क्योंकि चार दिन पहले, सोमवार को भी सुमित को ऐसी ही एक चिट्ठी मिली थी, जिसमें लिखा था, ₹20 लाख रुपये दो, वरना तुम्हारे पूरे परिवार को खत्म कर देंगे।₹ उस समय भी सुमित ने पुलिस को सूचित किया था। पुलिस ने दुकान और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और सुमित से उनकी किसी के साथ रंजिश की जानकारी ली। चार दिन में दूसरी चिट्ठी मिलने से साफ है कि अपराधियों में पुलिस का डर खत्म हो चुका है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की, लेकिन अभी तक कोई ठोस सुराग नहीं मिला। डर के मारे सुमित के परिवार ने अपने बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर दिया है। सुमित ने बताया, ₹पहली चिट्ठी के बाद से हमारा परिवार दहशत में है। मेरे घरवाले मेरी चिंता में रहते हैं। हमने पुलिस को सब बता दिया, लेकिन वे सिर्फ 'जांच चल रही है' कहकर टाल रहे। आरोपियों की तलाश जारी।वहीं प्रकरण के चलते दूसरी चिट्ठी के जरिए अपराधियों ने शामली पुलिस को खुली चुनौती दी है। चार दिन बीतने के बावजूद पुलिस के हाथ खाली हैं। स्थानीय व्यापारियों और लोगों में इस घटना से आक्रोश है। अब सवाल यह है कि पुलिस कब तक इन अपराधियों तक पहुंचेगी और पीड़ित परिवार को राहत दिलाएगी।

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा कांधला कॉलेज में त्रैमासिक योग प्रशिक्षण शिविर का भव्य समापन

क्यूँ न लिखूँ सच- राकेश गुप्ता

कांधला, शामली। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान के तत्वावधान में कांधला कॉलेज, कांधला (जनपद शामली) में आयोजित त्रैमासिक

योग प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह भव्यता के साथ संपन्न हुआ। यह शिविर 10 फरवरी 2025 से 14 मई 2025 तक चलाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने नियमित रूप से योगाभ्यास कर लाभ प्राप्त किया। केन्द्राध्यक्ष व योग प्रशिक्षक के नेतृत्व में संचालित हुआ शिविर।इस योग प्रशिक्षण शिविर का सफल संचालन केन्द्राध्यक्ष श्री आशीष तोमर और योग प्रशिक्षक श्री रवि कुमार के नेतृत्व में किया गया। तीन माह तक चले इस विशेष शिविर में प्रतिभागियों को नित्य योगाभ्यास, प्राणायाम, ध्यान एवं आयुर्वेद आधारित जीवनशैली की वैज्ञानिक विधियों से परिचित कराया गया। संस्थान के पदाधिकारियों को किया गया धन्यवाद। शिविर के सफल आयोजन पर संस्थान के निदेशक विनय श्रीवास्तव, अपर मुख्य सचिव भाषा विभाग श्री जितेन्द्र कुमार (आई.ए.एस.), योजना सर्वेक्षक महोदय श्री महेन्द्र पाठक, प्रशिक्षण समन्वयक दिव्यरंजन, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री दिनेश मिश्र, डा. जगदानन्द झा सहित सभी सम्मानित पदाधिकारियों का आयोजकों द्वारा हृदय से आभार व्यक्त किया गया। प्रतिभागियों का उत्साह, भविष्य में और शिविरों की योजना समापन समारोह के दौरान कई प्रतिभागियों ने योग से प्राप्त अपने अनुभव साझा किए और प्रशिक्षण की गुणवत्ता की सराहना की। आयोजकों ने जानकारी दी कि भविष्य में ऐसे और भी योग शिविरों का आयोजन किया जाएगा, ताकि समाज के अधिक से अधिक लोग योग का लाभ उठा सकें। शिविर में समर्पित सेवा के लिए योग प्रशिक्षक श्री रवि कुमार को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में डीएम ने हाई मास्क लाईट हेतु तत्काल कनेक्शन के विद्युत विभाग को निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच- राकेश गुप्ता

शामली। जिलाधिकारी शामली अरविन्द कुमार चौहान की अध्यक्षता में आज विकास भवन सभागार

में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई।आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से सड़क सुरक्षा की दृष्टि से एजेंडा बिंदु के अनुसार समीक्षा करते हुए उचित दिशा निर्देश देते हुए सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ब्लैक स्पॉट, स्पीड ब्रेकर,व संकेतक लगाने के निर्देश के साथ ही जहां पर भी अधिक रोड एक्सीडेंट होते हैं उन स्थानों को पर विशेष रूप से सुधारात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए साथ ही अतिक्रमण पर भी कार्यवाही के निर्देश दिए। बैठक में संबंधित अधिकारी द्वारा जो भी कार्य कराये गये है उसके बारे में अवगत कराया गया कि कुछ ब्लैक स्पॉट की रोड सेफ्टी ऑडिट रिपोर्ट एन.एच.ए.आई.से प्राप्त हो गई है जिसके अनुसार कार्य कराने हेतु डीएम ने निर्देशित किया। बैठक में जिलाधिकारी ने बधेव जंक्शन, गोहरनी जंक्शन पर हाई मास्क लाईट जो लगी है उसके तत्काल कनेक्शन के लिए विद्युत विभाग के अधिकारियों को कठोर निर्देश दिए। बैठक में बैठक में जिलाधिकारी ने समीक्षा करते हुए मानक के अनुसार यातायात के नियमों का पालन न करने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश के साथ ही सड़क सुरक्षा जागरूकता के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी, सभी एसडीएम सहित राज कुमार, अधिशासी अभियंता प्रांतीय खण्ड लो0नि0वि0, साहयक अभियंता दीपेंद्र जायसवाल, एआरटीओ शामली रोहित राजपूत, यातायात सहित समस्त संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहें।

अखिल भारतीय अग्रवाल समाज ट्रस्ट (पंजी.), शामली द्वारा सेना के शौर्य को नमन – वीरता का उत्सव आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच- राकेश गुप्ता

शामली। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज ट्रस्ट (पंजी.), शामली द्वारा वर्मा मार्केट स्थित भगवती मोबाइल पर ₹सेना के शौर्य को नमन – वीरता का उत्सव₹ नामक एक भव्य एवं प्रेरणादायक गौरव समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन हाल ही में पहलगाम (जम्मू-कश्मीर) में पाकिस्तान द्वारा संघर्षविराम के उल्लंघन के उपरांत हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले और भारतीय सेना द्वारा दिए गए मुंहतोड़ जवाब की पृष्ठभूमि में रखा गया, जिसका उद्देश्य वीर जवानों के शौर्य, बलिदान और देशप्रेम को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत वीरगति को प्राप्त जवानों की स्मृति में दो मिनट के मौन व श्रद्धांजलि से हुई। इसके पश्चात वक्ताओं ने भारत की सैन्य शक्ति और सैनिकों के अद्वितीय साहस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह महज जवाबी कार्रवाई नहीं थी, बल्कि राष्ट्र की अस्मिता और संकल्प का परिचायक था। समाज के युवाओं ने देशभक्ति पर आधारित समूह प्रस्तुति के माध्यम से शहीदों को नमन किया, जिससे उपस्थित जनसमूह की आंखें नम और मन गर्वित हो उठा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज बंधुओं, व्यापारियों, युवाओं एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम स्थल देशभक्ति नारों से गूंज उठा और 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना को सशक्त किया गया। अंत में सभी ने भारतीय सेना के प्रत्येक सिपाही के प्रति सामूहिक रूप से गर्व और आभार प्रकट करते हुए यह संकल्प लिया कि समाज राष्ट्र और सेना के समर्थन में सदैव एकजुट रहेगा। कार्यक्रम के समय सादर आयोजकगण रोबिन गर्ग अध्यक्ष, उत्तम जिंदल महामंत्री, रजत बिंदल. प्रवीण गोयल हैप्पी, नीरज संगल, राहुल तायल, आकाश गुप्ता ष्ट, एन के कंसल, अनिल गोयल,संजीव संगल , ओम प्रकाश ,राजकुमार प्रॉपर्टी,जियालाल एरन, वैभव गोयल, आशीष ,सात्विक संगल,आकाश गर्ग आदि उपस्थित रहे।

मेरा भारत-शामली जिला युवा अधिकारी द्वारा राष्ट्रीय हित में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए नागरिको को सशक्त बनाने के एक ठोस प्रयास

क्यूँ न लिखूँ सच- राकेश गुप्ता

शामली। जिला युवा अधिकारी प्रतिभा शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि माई भारत युवाओं को नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक के रूप में नामांकन के लिए आमंत्रित करता है। युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार, देश भर के युवाओं को सक्रिय रूप से संगठित कर रहा है ताकि वे MY Bharat Civil Defense Volunteers के रूप में नामांकन करा सकें। यह राष्ट्रव्यापी आह्वान युवा नागरिकों को राष्ट्रीय हित में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाने के एक ठोस प्रयास का हिस्सा है, खासकर आपात स्थितियों और संकट के दौरान। इस पहल का उद्देश्य एक अच्छी तरह से प्रशिक्षित,उत्तरदायी और लचीला स्वयंसेवी बल तैयार करना है जो प्राकृतिक आपदाओं, दुर्घटनाओं, सार्वजनिक आपात स्थितियों और अन्य अप्रत्याशित स्थितियों के समय नागरिक प्रशासन की सहायता कर सके। वर्तमान परिदृश्य और उभरती सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए, एक मजबूत, समुदाय-आधारित प्रतिक्रिया तंत्र स्थापित करने की तत्काल और बढ़ती आवश्यकता है। नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक विभिन्न प्रकार की सेवाओं के माध्यम से स्थानीय अधिकारियों का समर्थन करके इस संबंध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।इनमें बचाव और निकासी अभियान, प्राथमिक चिकित्सा और आपातकालीन देखभाल, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, सार्वजनिक सुरक्षा और आपदा प्रतिक्रिया और पुनर्वास प्रयासों में सहायता करना शामिल है। एक तैयार और प्रशिक्षित नागरिक बल का महत्व पहले से कहीं अधिक है, और MY Bharat इस राष्ट्रीय मिशन में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।इसलिए, MY Bharat अपने युवा स्वयंसेवकों के गतिशील नेटवर्क और अन्य सभी उत्साही युवा नागरिकों से अपील करता है कि वे आगे आएं और MY Bharat नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों के रूप में पंजीकरण करें। मौजूदा MY Bharat स्वयंसेवक और नए व्यक्ति जो इस क्षमता में राष्ट्र की सेवा करना चाहते हैं, दोनों का इसमें शामिल होने का स्वागत है। यह पहल न केवल युवाओं में नागरिक जिम्मेदारी और अनुशासन की एक मजबूत भावना पैदा करती है,बल्कि उन्हें गंभीर परिस्थितियों में तेजी से कार्य करने के लिए व्यावहारिक जीवन-रक्षक कौशल और प्रशिक्षण भी प्रदान करती है। पंजीकरण प्रक्रिया सरल है और आधिकारिक MY Bharat ÂôÅUüÜ:? https://mybharat.gov.in के माध्यम से सुलभ है । यह युवाओं के लिए एक स्पष्ट आह्वान है कि वे आगे आएं और इस राष्ट्रीय उद्देश्य के लिए सभी इच्छुक युवाओं/जनता को संगठित करें।

Remind yourself of these 5 things as soon as you wake up in the morning, confidence will be boosted; mental fatigue will also not bother you

In today's busy life, we are often surrounded by stress and negative thoughts. These things can reduce our confidence and also make us mentally tired. However, by starting a positive and confident morning (Morning Routine for Confidence), mentioned here will help you in this. The day should some time as soon as you wake up in the morning. By that the day passes the same way as the morning starts. then fatigue, stress and irritability remain throughout not only does confidence increase (Morning Routine day. To make every day better and meaningful, it is as we wake up in the morning. These things will not confidence. Let us know some such things (5 Things every morning as soon as you wake up. "I can make happened in the past, good or bad - it is over. Today towards your goals. Saying to yourself that "I can This creates an energy in the mind and you feel start feeling inferior by comparing ourselves with confidence comes only when you start loving yourself. the way I am. I do not need to be better than anyone, give you both self-acceptance and mental peace. the same. Some days are easy, some are very patience, understanding, self-control and the power happens, there will be something to learn from it,"

you can set a strong base for the whole day and the 5 things not be started with a mobile. It is very important to give yourself doing this, you can turn your life towards peace. It is often said If the mind is filled with negative thoughts early in the morning, the day. On the other hand, if the day starts with positive thinking, for Confidence), but mental energy also remains throughout the important that we remind ourselves of some special things as soon only make your thinking positive, but will also boost your To Remember In The Morning) which should be said to yourself today a better day" Every morning is a new beginning. Whatever you have a new opportunity to improve yourself, to take a step make today a better day" - works like a positive programming. motivated about your day. "I am enough the way I am" We often others, but every person has his own qualities, his own path. Real Repeat this as soon as you wake up in the morning - "I am enough but I need to make myself better every day." This thinking will "There is an opportunity hidden in every difficulty" Life is never challenging, but every difficulty comes to teach us something - of struggle. If you tell yourself every morning that "whatever then you will be mentally prepared for any situation. This attitude reduces mental fatigue and makes you stronger. "I am the master of my energy" Many times our energy is stolen by other people - their words, behavior or negativity makes us tired from within, but remember, your energy is in your control. Saying this to yourself early in the morning - "I will decide which things I have to pay attention to and which to ignore." This will not bother you over small things and will help you maintain mental balance. "Be thankful" Being thankful is very powerful. It can instantly reverse any negative thinking. When you start your day by counting the good things you have - like family, health, shelter, food, friends - then satisfaction and peace is created in the mind. Every morning, as soon as you wake up, be thankful for 3 things and realize that you have a lot to smile for. This habit will make you positive from within and will change your outlook towards life. Why are these things important? Repeating these things early in the morning is not magic, but it can definitely change the way you think and react. When you start your day by motivating yourself, not only does your confidence increase, but your focus on work also remains intact.

Diabetes patients should not eat these desi fruits even by mistake, your sugar level will increase rapidly

Many desi foods look healthy, but consuming them in excess can gradually increase your sugar level. These foods affect our blood sugar by turning it into sugar without any warning. If you want to keep the sugar level under control, then it is which has no cure. Bad eating habits often cause this from the diet. Many times we include some desi foods Especially if you are a diabetic patient, then these foods included in the diet, which gradually increase that we do not pay attention to them and we become then you should also be careful of some foods. So let's contains high levels of carbohydrates, which can potatoes like potato chips or French fries can increase by boiling or baking them. White rice, The glycemic turns into sugar in the body. In such a situation, eating Therefore, it would be better to choose options like paratha or naan made every day in almost every increase blood sugar levels. Consuming them in large blood sugar levels. Fruit juices- Fresh fruit juices, such the fiber is removed, the juice rapidly releases sugar Panipuri or Golgappas- Golgappas are fried and are can increase blood sugar, especially when eaten with drinks, and homemade soft drinks with added sugar

very important to avoid them. Diabetes is a serious disease, disease. In such a situation, some foods should be excluded in the diet, which look healthy, but in reality they harm health. foods cause more harm to you. Not only this, there are many our blood sugar level. They affect health in such a silent way victims of diabetes. If you also want to avoid diabetes or sugar, know about these Desi and common foods- Potato Potato increase blood sugar by turning into glucose. Especially fried the sugar level rapidly. Therefore, it is better to eat potatoes index of white rice is very high, which means that it quickly white rice in large quantities can increase blood sugar rapidly. brown rice or quinoa instead. Puri, paratha and naan, Puri, house of our country, especially rotis made from refined flour, quantities can cause insulin sensitivity effect, which increases as orange, grape, or mango, are a good source of sugar. When into the body, which can lead to a spike in blood sugar levels. high in carbohydrates. When eaten in large quantities, they spicy and fried ingredients. Sweet drinks, packaged cold contain a lot of sugar. Their consumption can increase sugar levels rapidly. weetened yogurt and lassi- Sweetened yogurt available in the market is high in sugar. It can increase sugar levels rapidly. If you like yogurt, then you should consume unsweetened yogurt. Fried snacks- Kachori, samosa, pakodas, and other deep fried snacks contain high amounts of fat and carbohydrates, which can increase blood sugar.

Sattu Sharbat will protect you from the heat waves in the scorching summer, the body will remain fresh from inside; know the recipe

Heat wave is a common problem as soon as the summer season arrives. To avoid heat wave, it is very important to keep the body cool from inside. Sattu Sharbat is one such drink which not only cools the body but also gives many benefits to health. Let us tell you in this article the simplest and quick recipe to make Sattu Sharbat. Sattu is rich in protein, fiber and other nutrients. Its Sharbat is very beneficial for health in few steps. If the body does not get coolness from inside headache, dehydration and heat stroke start looming, (Indian Summer Drinks) present in our traditional also effective in protecting from heat wave. One of and Uttar Pradesh, Sattu is called 'Garmi Ka Kavach' effective, what are its benefits and what is the easy Make Sattu Sharbat). What is Sattu? Sattu is actually barley or maize too). It is light, easy to digest and full the body cool as well as gives energy. Benefits of Sattu, temperature. It gives internal coolness which prevents Relief from dehydration: The most important thing maintains moisture in the body and prevents like protein, fiber, iron, magnesium which remove the stomach: In summer, stomach problems often occur digestion and keeps the stomach calm. , Helpful in not feel hungry for a long time and you avoid How to make Sattu Sharbat? Sattu Sharbat is made cooling the body. Let's know the recipe of both: tablespoons Cold water – 1 glass Jaggery or sugar - Cardamom powder – a little (for flavour) Method to

summer. To make it at home, you have to follow only a during the summer season, then dangers like dizziness, but the matter of relief is that there is a desi drink Indian kitchen, which not only cools the body but is these is Sattu Sharbat. In states like Bihar, Jharkhand in the summer season. Let us know why Sattu is so recipe to make its sweet and salty Sharbat (How to a powder made by grinding roasted gram (sometimes of nutrition. Drinking Sattu Sharbat in summer keeps Protect from heat stroke: Sattu controls the body heat stroke, especially when you go out in the sun. , in summer is hydration. Sattu along with water dehydration. , Energy booster: Sattu contains nutrients fatigue of the day and keep you fresh. , Beneficial for like gas, acidity or indigestion. Sattu is helpful in weight loss: Sattu is rich in fiber, due to which you do overeating. This helps in keeping weight under control. in two ways - sweet and salty. Both are effective in Ingredients to make Sattu Sweet Sharbat Sattu - 2 according to taste Lemon juice – 1 teaspoon (optional) make Sattu Sweet Sharbat First of all put Sattu and some water in a glass and mix it well so that there are no lumps. Now add jaggery or sugar to it and let it dissolve. Add lemon juice and cardamom. Finally, add ice cubes and serve chilled. ,Ingredients to make Sattu Namkeen Sharbat, Sattu – 2 tablespoons, Cold water – 1 glass, Black salt – according to taste, Roasted cumin powder – ½ teaspoon, Lemon juice – 1 teaspoon, Finely chopped coriander leaves – for garnishing, Method to make Sattu Namkeen Sharbat, Mix Sattu with some water and mix it well. , Now add black salt, roasted cumin seeds and lemon juice to it. , Pour cold water over it and stir. , Add coriander leaves and serve with ice.

This mega flop of the box office was a big hit on OTT, it could earn 131cr in a huge budget of 450 crores

Sometimes there are some films which yearn to earn every penny at the box office. However, those films become popular as soon as they come on OTT. Today we will tell you about one such film which is the most trending on the OTT the OTT platform This film was labelled the IMDB rating, it rocked on OTT. From Deva, there are many such films of big the box office. However, their whole story were not only watched on the OTT the trending list of 1 to 10 best films. Today political action drama film, which but when this film came on OTT, it created most trending film on OTT right now, let's whole game. The budget of the film we are released the film pan India this year with is this, then let us tell you that this 'Game Changer'. Seeing the success of movie failed at the box office) overall India after which, on February 7, the makers on which the film rocked as soon as it again one of the top 10 trending films on audiences can watch this film on Prime because for them this movie is available in the box office? Talking about the box office expensive budget had a net collection of

platform right now. This film is running the most on a flop as soon as it came to the theatres. Leaving behind Aamir Khan's Lal Singh Chaddha to Shahid Kapoor's superstars, which could not recover their budget at changed as soon as they came on OTT. These films platform, but for weeks they remained at the top of in this article, we are going to tell you about one such completely sank the makers' boat at the box office, such a stir that everyone kept watching. Which is the see. As soon as it came on OTT, this film changed the talking about was around 450 crores. The makers great fanfare. If you still do not understand which film superflop film is Ram Charan and Kiara Advani's RRR, the makers released 'Game Changer' (why the on 10 January 2025, but the film flopped. A month released it on the OTT platform Amazon Prime Video, came. This film, released three months ago, is once OTT (Is Game Changer released in Ott). While South Video, Hindi audiences need not be disappointed, Hindi on ZEE5. Was Game Changer a hit or a flop at collection of Game Changer, this film made on an only 131.17 crores in India. Amidst the craze of Pushpa 2, the movie did not work worldwide and only 186.25 crores came in the account. The film was able to earn only 30.25 crores in the overseas market. Game Changer, which could not even recover half of its budget, was a flop film at the box office in the year 2025. The film also got a rating of 5.3 out of 10 on IMDB. However, now this film is ruling as a king on OTT.

Samantha was seen resting her head on Raj Nidimoru's shoulder, fans said - your love story is trending

Samantha shared a photo with Raj Samantha's first film Shubham released The actress has already divorced Naga Chaitanya For a long time, it was being reported that after divorce from Naga Chaitanya, actress Samantha Ruth Prabhu is dating a director. Now slowly the picture is also getting clear. The actress was seen with Citadel: Honey Bunny fame director Raj Nidimoru many times and is now openly sharing the picture. The actress shared the photo, although neither of them has commented on this matter. Now another picture of both of them is going viral on social media, which almost confirms that the actress is in a happy relationship with Raj. In the latest photo, Samantha is seen resting her head on Raj's shoulder. Actually, the actress is enjoying the success of her first production venture Shubham these days. After this, the actress thanked her fans through an Instagram post. Raj and Samantha seen posing together The actress posted a carousel on Instagram showing Samantha Ruth Prabhu standing with Raj Nidimoru as they pose with the film banner. The actress has also shared a selfie with Raj, in which the couple is seen sitting comfortably in a plane. The caption won people's hearts In the caption, Samantha wrote, "Thank you for watching, feeling and celebrating #SUBHAM with us! Our first step - inspired by heart, madness and the belief that new, fresh stories matter!" We are TravelingMovingPictures and it has started with Shubham. What a start! Working together on many projects Last month, Samantha Ruth Prabhu and Raj Nidimoru visited the Tirupati Balaji temple. The actress prayed at the temple ahead of the release of her production venture Shubham. Samantha Ruth Prabhu and Raj Nidimoru worked together in the second season of The Family Man after the spy action-thriller series Citadel. After this, the actress will once again work with director duo Raj and DK in Rakt Universe and Family Man Season 3. Samantha Ruth Prabhu remains in the headlines for her personal life along with her professional life. The actress has been in the news a lot about the news of her divorce with Naga Chaitanya. After separating from Naga, her name was linked with director Raj Nidamoru. Although both have maintained silence on this matter, but their viral pictures indicate something else.

The interesting story of the opium trade is shown in 7 episodes, this OTT series was given a rating of 7.7 by IMDb

The series was released on August 18, 2023 Rajkumar Rao and Dulquer Salman were seen The story is based on opium cultivation OTT Most Watched Series You get to see a storehouse of series and movies on OTT. This has watching something while sitting at front of you. But it was not like this drama web series whose story is from to go to the cinema and watch movies homes, it was also considered like an then we would take the family to show outside, meaning the whole family pack. as technology entered your home, did its marketing in such a way that you comfortably on the sofa at home without the time is such that people now prefer theater. They know that after some time why go? The fun of comedy and thriller actors of cinema have stardom. At the created a different fan following for about one such series, which despite gave the audience a lot of fun of comedy. in the seriesWe are talking about Raj Gulaabz. This is the story of two gangs

made it convenient that if you feel like home, you immediately scroll and it is in before. Today we will tell you about a crime the 90s. There was a time when people liked while eating popcorn. In middle class outing that if a good movie was released, the cinema and then dinner would also be The trend of OTT is increasing After this, things became easier. Then came OTT, it will enjoy watching a movie sitting going out anywhere. At the same time, now to watch movies on OTT more than in the it will come on some OTT platform, then in the series is the reason why popular same time, the masters of OTT have themselves. Today we are going to tell you being in the category of mafia don, also You will get to see tremendous dialogues and DK's popular series Guns and who are involved in the same kind of business and are standing face to face with each other. The story of Guns and Gulaabz Namchin goes straight to the heart. While the dialect and abuses used in the dialogues seem to be of a particular place in Uttar Pradesh, the acting of the actors seems to bring life to the characters. This is a crime story. What is the story of the series? The story of Guns and Roses is of a fictitious village Gulabganj, in whose story a big opium deal is shown. It shows the conflict between two gangs over the opium business, in which an honest narcotics officer and a mechanic enter. This is where the twists and complications arise in the story. The opium business is the central point of this story, for which the gangsters fight among themselves and try to eliminate each other. Rajkumar Rao, Dulquer Salman and Adarsh ????Gaurav were seen in this series released on Netflix.